हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 | अंक : 124 | जौनपुर, मंगलवार 30 जनवरी 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य : 2 रूपया

पीएम के मार्गदर्शन में अयोध्या में स्वच्छ जल मुहैया करा रही है योगी सरकार

एजेन्सी

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में यूपी के हर घर तक नल से जल पहुंचाने में योगी सरकार शीर्ष पर है। सूबे के सभी जनपदों में इस दिशा में तेजी से काम भी किया जा रहा है। रामनगरी में भी योगी सरकार दो लाख 97 हजार से अधिक घरों में नल से जल पहुंचाने की सारथी बनी। स्वच्छ पानी से काफी हद तक बीमारियों पर अंकुश लगाया जा सकता है, इसी सोच पर कार्य करते हुए यहां 2203 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट स्वीकृत हो चुके हैं, इनमें से 1793 करोड़ रुपये खर्च कर अयोध्या के घर–घर तक योगी सरकार स्वच्छ जल भी मुहैया करा रही है। साथ ही शेष बचे घरों में भी स्वच्छ जल मुहैया कराने की तैयारी जोरों से चल रही है। यही नहीं, इन कार्यों

के जरिए योगी सरकार की प्राथमिकता गांवों में युवाओं को स्किल ट्रेनिंग देकर स्वावलंबी बनाना भी है।

योगी सरकार ने अयोध्या को दिव्य–भव्य व नव्य नगरी बना दिया है। प्राण–प्रतिष्ठा के उपरांत यहां पर्यटकों की आमद भी काफी अधिक हो गई है। इस भव्यता के लिए सीएम योगी ने सभी विभागों को लक्ष्य दिया था। पर्यटन हो या संस्कृति, विकास प्राधिकरण हो या नगर निगम, हर विभाग को टास्क देकर उन्हें सर्वोच्च परिणाम देने का निर्देश सीएम योगी की तरफ से दिया गया है। इसी क्रम में अयोध्या में नमामि गंगे व ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की ओर से भी युद्ध स्तर पर कार्य किया गया। यहां 3,44,708 ग्रामीण घरों में से 2,97, 788 घरों तक कनेक्शन पहुंच गए हैं। अभी तक 2203 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट अयोध्या के विकास के लिए दिए गए हैं। इसमें से 1793 करोड़ रुपये के कार्य कर इस योजना को मूर्त रूप दिया गया है।

एफटीके से जांच के लिए अयोध्या की 5515 महिलाएं हुईं प्रशिक्षित

महिलाएं खुद ही पानी की शुद्धता की जांच कर सकें। इसके लिए एफटीके (फील्ड टेस्ट किट) से उनकी मदद होगी। सिर्फ रामनगरी की ही बात करें तो अब तक यहां 5515 महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। यह महिलाएं प्रशिक्षण प्राप्त कर पानी की क्वालिटी चेक कर रही हैं। योगी सरकार का उद्देश्य है कि इसके जरिए आमजन को किसी पर आश्रित न रहना पड़े, बल्कि प्रशिक्षित महिलाएं ही इसकी जांच कर मददगार साबित हों। वहीं योगी सरकार की तरफ से ही दो महिला प्लंबर को भी प्रशिक्षित कराया जा चुका है।

अयोध्या के गांवों में युवाओं को दी गई स्किल ट्रेनिंग

योगी सरकार अयोध्या के गांवों को युवाओं को स्किल ट्रेनिंग भी दिला रही है। अब तक कुल 10322 से अधिक युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। 1589 प्लंबर, 1588 पंप ऑपरेटर, 1588 इलेक्ट्रिशियन, 1587 मोटर मैकेनिक, 1589 फिटर व 2381 राजमिस्त्री को स्किल ट्रेनिंग दी जा चुकी है। इसके साथ ही अन्य युवाओं को भी इससे जोड़कर स्वावलंबी बनाने और अपने ही जिले में रोजगार मुहैया कराने के संकल्प पर योगी सरकार तेजी से कदम बढ़ा रही है।

पीएम मोदी की परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रमय, निजी स्कूलों में भी हुई लाइव स्क्रीनिंग

एजेन्सी

लखनऊ। प्रधानमंत्री के परीक्षा पे चर्चा 2024 के तहत आज यानी सोमवार को 11 बजे से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इस दौरान स्कूलों में लाइव स्क्रीनिंग की व्यवस्था भी की गई हैं। कार्यक्रम के दौरान स्टूडेंट्स, शिक्षकों और अभिभावकों से प्रधानमंत्री ने बातचीत करते हुए कई अहम टिप्स दी। लखनऊ समेत प्रदेश के सभी जिलों में इस कार्यक्रम को लेकर विशेष दिशा निर्देश जारी किए गए थे। अपर मुख्य सचिव (माध्यमिक शिक्षा) दीपक कुमार और महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा राजकीय बालिका इंटर कॉलेज गोमती नगर में मौजूद रहे। प्रधानमंत्री के परीक्षा पे चर्चा को लेकर निजी स्कूलों में भी खासा उत्साह देखा गया। सुबह से ही स्कूलों में लाइव टेलीकास्ट की व्यवस्था कर ली गई थी। लखनऊ के ज्यादातर स्कूलों में आज से ऑफलाइन क्लासेज भी शुरू हुई हैं। 11 बजे से पहले ही बच्चे सेशन के लिए तैयार होकर बैठ गए। सेंट जोसफ स्कूल समेत तमाम निजी स्कूलों में स्टूडेंट्स के साथ प्रिंसिपल समेत कई टीचर्स ने बैठकर कार्यक्रम देखा। सेशन के बाद स्टूडेंट्स ने बताया कि पीएम का सेशन कई मायनों में बेहद खास था। 10जी की स्टूडेंट साक्षी राज कहती हैं कि कई ऐसी टिप्स मिली जिनके जरिए एग्जाम के दौरान बेहद रिलैक्स होने का मौका मिलेगा। दसवीं की छात्रा बताया कि पीएम ने पेपर मिलते ही रिलैक्स होकर एग्जाम देने की बात कही मेरे साथ कई बार ऐसा होता है कि अचानक से पैनिक जैसी सिचुएशन हो जाती हैं।

हनुमान जी के झंडे को लेकर तनाव, लगी धारा 144, बीजेपी ने किया बड़ा आंदोलन करने का ऐलान

एजेन्सी

मांड्या। कर्नाटक के मांड्या जिले के केरागोडु गांव में उस समय तनाव बढ़ गया, जब अधिकारियों ने हनुमान जी के झंडे को हटाने का निर्देश दिया। इसके बाद पूरे गांव में विरोध ा प्रदर्शन होने लगा और पुलिस बल की लोगों के साथ टक्कर हो गई। इस बीच गांव में धारा 144 भी लागू कर दी गई। दरअसल, हुआ ऐसा कि बीते दिन कुछ युवकों ने 108 फीट ऊंचे पोल पर हनुमान जी का झंडा लगा दिया। उन युवकों के अनुसार, इसकी अनुमति उन्हें ग्राम पंचायत से मिली हुई थी, लेकिन बावजूद इसके दूसरे ग्रुप के कुछ लोगों ने इसको लेकर नाराजगी जाहिर की और शिकायत दर्ज करवाई। इसके बाद जब अधिकारियों की ओर से ग्रामीणों से निवेदन किया गया कि वे झंडे को हटा दें तो माहौल गर्मा गया। स्थिति तनावपूर्ण हो गई और गांव में फोर्स तैनात की गई है। कईयों का कहना है कि यह झंडा हमारी आस्था का सवाल है और कुछ लोग इस पर राजनीति कर रहे हैं। ग्रामीणों के साथ भाजपा, जेडीएस और बजरंग दल के लोग भी उतर आए हैं। वहीं कांग्रेस कार्यकर्ता भाजपा पर लोगों को भड़काने का आरोप लगा रही है। निवार को झंडा उतारने के आदेश के विरोध में ग्रामीणों ने अपनी दुकानें भी बंद कर दी थीं। रविवार को ग्राम पंचायत के अधिकारी मौके पर पहुंचे थे और झंडा उतरवाना चाह रहे थे, लेकिन गांव के कई लोग अधिकारियों के खिलाफ उतर आए और वापस जाओ के नारे लगाने शुरू कर दिए। वहीं भाजपा ने ग्रामीणों के उन लोगों का साथ दिया जो हनुमान जी का झंडा सदैव पोल पर लगे हुए देखना चाहते हैं। मामला गर्माया तो इसने राजनीतिक रूप भी ले लिया। भाजपा ने ऐलान कर दिया कि अगर झंडा हटाया गया तो फिर कर्नाटक के सभी जिलों में आंदोलन किया जाएगा। सोमवार को भाजपा के कार्यकर्ता बेंगलुरु में भी मैसुरू बैंक सर्किल के पास जुटे हैं। इस दौरान पुलिस ने बड़ी संख्या में भाजपा के लोगों को हिरासत में लिया है। वहीं ग्रामीणों ने स्थानीय कांग्रेस विधायक रवि कुमार के पोस्टरों को फाड़ विरोध प्रकट किया। इसके बाद कांग्रेसी भी मैदान में उतर आए और फिलहाल गांव में तनाव की स्थिति है। हालात बिगड़ने से रोकने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया है। वहीं इस मामले पर पुलिस ने हनुमान जी के झंडे को हटाने की बात कही। उनके अनुसार, हनुमान जी के झंडे को हटाकर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा लगना चाहिए। मिली जानकारी के अनुसार, झंडे के लिए केरागोडु गांव के लोगों ने फंडिंग की थी। इसके अलावा अन्य 12 गांवों के लोगों ने भी इसके लिए योगदान दिया था। इसमें भाजपा और जेडीएस के लोगों ने भी योगदान दिया था। भाजपा ने तो इस मामले में पुलिस ऐक्शन को लेकर कांग्रेस पर हमला बोलना शुरू कर दिया है और उसके कदम को हिंदू विरोधी करार दिया है।

मैं बिस्तर पर जाने के 30 सेंकेंड के भीतर सो जाता हूं : प्रधानमंत्री मोदी ने बताई अपनी दिनचर्या

एजेन्सी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि वह बिस्तर पर जाने के 30 सेकंड के भीतर सो जाते हैं। उन्होंने छात्रों को 'स्क्रीन टाइम' के प्रति आगाह किया, जिससे नींद में खलल पड़ती है। भारत मंडपम में 'परीक्षा पे चर्चा' के सातवें संस्करण के दौरान छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों के साथ बातचीत करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 'स्क्रीन टाइम' नींद के समय को खा जाता है। उन्होंने कहा, ''संतुलित जीवनशैली बनाए रखने के लिए हर चीज की अधिकता से बचना चाहिए। स्वस्थ दिमाग के लिए एक स्वस्थ शरीर महत्वपूर्ण है और इसके लिए कुछ दिनचर्या, सूरज की रोशनी में समय बिताना और नियमित और पूरी नींद लेना आवश्यक है।'' उन्होंने कहा, ''स्क्रीन टाइम जैसी आदतें आवश्यक नींद के समय को खा रही हैं, जिसे आधुनिक स्वास्थ्य विज्ञान द्वारा बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है।'' 'स्क्रीन टाइम' शब्द आम तौर पर उस समय को संदर्भित करता है, जो कोई व्यक्ति मोबाइल और टेलीविजन के स्क्रीन का उपयोग करके बिताता है। मोदी ने कहा, ''मैंने बिस्तर पर जाने के 30 सेकंड के भीतर गहरी नींद में जाने की दिनचर्या बनाए रखी है। जागते समय पूरी तरह जागना और सोते समय गहरी नींद लेना एक संतुलन है, जिसे हासिल किया जा सकता है।''परीक्षा की तैयारी और स्वस्थ जीवनशैली के बीच संतुलन बनाने का मुद्दा उठाते हुए राजस्थान के सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्र धीरज सुभाष, कारगिल के पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय की नजमा खातून, अभिषेक कुमार तिवारी और अरुणाचल प्रदेश के सरकारी उच्चतर माध्यमिक के शिक्षक टोबी लाहमे ने प्रधानमंत्री से व्यायाम के साथ पढ़ाई के प्रबंधन के बारे में पूछा। मोदी ने संतुलित आहार की आवश्यकता पर बल दिया और फिटनेस के लिए नियमित व्यायाम और शारीरिक गतिविधियों के महत्व पर भी जोर दिया। शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित 'परीक्षा पे चर्चा' में पिछले छह वर्षों से छात्र, अभिभावक और शिक्षक शामिल होते रहे हैं।

कोरोना महामारी के कारण चौथा संस्करण ऑनलाइन आयोजित किया गया था, जबकि पांचवां और छठा संस्करण टाउन–हॉल प्रारूप में संपन्न हुआ था। पिछले वर्ष के संस्करण में कुल 31.24 लाख छात्रों, 5.60 लाख शिक्षकों और 1.95 लाख अभिभावकों ने भाग लिया था। इस साल, 'माइ गोव पोर्टल' पर करीब 2.26 करोड़ पंजीकरण हुए हैं, जो छात्रों के बीच इस कार्यक्रम को लेकर व्यापक उत्साह को दर्शाता है।

उनके दुश्मनों को होगा बड़ा धक्का, शिवराज के लोकसभा चुनाव लड़ने की अटकलों के बीच केंद्रीय मंत्री का बड़ा बयान

एजेन्सी

भोपाल लोकसभा चुनाव से पहले केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान को लेकर बयान दिया है। उन्होंने भोपाल में पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान के लोकसभा चुनाव लड़ने की संभावनाओं पर मुहर लगा दी है। उन्होंने शायराना अंदाज में कहा, शशिवराज सिंह चौहान का लोकसभा में आना है पक्का, इसलिए उनके दुश्मनों को होगा बहुत बड़ा धक्का। दरअसल, डॉ मोहन यादव को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री बनाए जाने के बाद से ही पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान के राजनीतिक करियर को लेकर कई कयास लगाए जा रहे हैं। उनके लोकसभा चुनाव लड़ने के कयासों के बीच केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने इशारों इशारों में बड़े संकेत दिए हैं। रामदास अठावले का कहना है कि शिवराज सिंह चौहान न केवल लोकसभा चुनाव लड़ेंगे बल्कि मोदी उन्हे कैबिनेट मंत्री भी बनाएंगे। भोपाल में मीडिया से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा कि छत्तीसगढ़ में ट्राइबल सीएम है, मध्य प्रदेश में ओबीसी मुख्यमंत्री है, राजस्थान में ब्राह्मण मुख्यमंत्री बनाया गया है। मोदी जी सभी जातियों का सम्मान करते हैं और ऐसे सभी जातियों को मौका देना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि जो निर्णय हुआ वो अच्छा है। शिवराज सिंह चौहान दिल्ली आएंगे। हमारे साथ आएंगे। मंत्रिमंडल में आएंगे। अगर वो लोकसभा लड़ेंगे, दिल्ली आएंगे तो वहां कैबिनेट मंत्री उनको बनाएंगे। उनका आदर तो मोदी जी करेंगे। केंद्रीय मंत्री से जब पूछा गया कि क्या शिवराज सिंह चौहान का लोकसभा टिकट पक्का माना जाए तो इसके जवाब में उन्होंने अपने चिरपरिचित अंदाज में कहा कि शिवराज सिंह चौहान का लोकसभा में आना है पक्का, इसलिए उनके दुश्मनों को होगा बहुत बड़ा धक्का। उन्होंने कहा कि शिवराज सिंह चौहान ने बहुत अच्छा काम किया था इसलिए तीन बार मुख्यमंत्री बनें।

प्रतापगढ़ में भीषण सड़क हादसों में 2 लोगों की मौत, मामले की जांच में जुटी पुलिस

एजेन्सी

प्रतापगढ़ उत्तर प्रदेश में प्रतापगढ़ जिले के 2 थाना क्षेत्रों में अलग–अलग सड़क दुर्घटनाओं में 2 लोगों की मौत हो गई। राहगीरों की सूचना पर हादसे की जानकारी पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अपर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) दुर्गेश कुमार सिंह ने सोमवार को बताया कि थाना नगर कोतवाली क्षेत्र शहर के चिलबिला फ्लाईओवर पर रविवार की रात यह हादसा हुआ। उन्होंने बताया कि अनियंत्रित कार की टक्कर से बाइक सवार युवक फ्लाईओवर ब्रिज के नीचे गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गया। उपचार के लिए उसे मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान डीजे संचालक संजय गौड़ (30) के तौर पर हुई है। जो चकवनतोड़ थाना नगर कोतवाली इलाके का रहने वाला था। एएसपी ने बताया कि दूसरी घटना में रविवार की रात प्रयागराज–अयोध्या हाईवे पर त्रिलोकपुर के निकट अनियंत्रित बाइक पलटने से एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। उपचार के लिए उसे निकट के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, कोहंडौर पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक राजू (40) थाना कोहंडौर इलाके का रहने वाला था।

बालमुकुंद आचार्य के खिलाफ जयपुर में छात्राओं ने थाना घेरा

एजेन्सी

जयपुर जयपुर में सोमवार सुबह बड़ी संख्या में सरकारी स्कूल की छात्राओं ने सुभाष चौक थाने को घेर लिया। थाने के सामने जमकर नारेबाजी की और सड़क को जाम कर दिया। छात्राओं का आरोप है कि बाबा बालमुकुंद आचार्य उनके स्कूल आए थे। इस दौरान उन्होंने हिजाब को लेकर बोला। नारे भी लगाए गए थे। घटना की जानकारी मिलने पर एसीपी सुभाष चौक मौके पर पहुंचे। छात्राओं से बात की। एसीपी सुभाष चौक डॉ. हेमंत जाखड़ ने बताया– गंगापोल गर्ल्स स्कूल की छात्राएं आज सुबह करीब 9 बजे सुभाष चौक थाने पर पहुंची। देखते ही देखते छात्राओं की संख्या बढ़ गई। पुलिस ने जब छात्राओं से कारण पूछा तो बताया कि विधायक बालमुकुंद आचार्य स्कूल में एक कार्यक्रम के दौरान पहुंचे थे। उन्होंने स्कूल में हमारे हिजाब को लेकर बातें कीं। यह हमें मंजूर नहीं है। शिक्षा के मंदिर में हिंदू–मुसलमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। छात्राओं के साथ–साथ उनके परिजन भी बड़ी संख्या में सड़कों पर उतरे। कार्रवाई की मांग करने लगे। इस दौरान छात्राएं सुभाष चौक सर्किल के चारों तरफ सड़क पर बैठ गई थीं। शाम 5 बजे आदर्श नगर विधायक रफीक खान और किशनपोल विधायक अमीन कागजी सभी छात्राओं को लेकर मौके से रवाना हो गए। दोनों की ओर से एक लिखित शिकायत सुभाष चौक थाने में दी गई है। जिस पर कार्रवाई को लेकर प्रशासन को दो दिन का समय दिया गया है। प्रदर्शन के दौरान छात्राओं ने बताया स्कूल में एनुअल कार्यक्रम था। जहां बाबा को बुलाया गया था। बाबा ने जानबूझकर नारे लगवाए। उन्होंने कहा हिजाब को स्कूल में अलाऊ नहीं करेंगे। यह गलत है। छात्राओं के प्रदर्शन के कारण आमेर की ओर से आने वाला रास्ता बंद हो गया था। वहां से आने वाले ट्रैफिक को ब्रह्मपुरी–रामगढ़ मोड़ की तरफ डायवर्ट कर दिया गया था। जयपुर से आमेर जाने वाले ट्रैफिक में परेशानी नहीं हो रही थी।

योगी आदित्यनाथ पहुंचे अयोध्या, श्रीरामलला के किए दर्शन.... व्यवस्थाओं का लिया जायजा

एजेन्सी

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को अयोध्या पहुंच कर श्रीरामलला और हनुमानगढ़ी का दर्शन पूजन किया। इस दौरान उन्होने यहां पर श्रद्धालुओं के लिए की गई सभी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। योगी गोरखपुर में अपने गुरुओं को शीश नवाकर दोपहर में अयोध्या पहुंचे थे। जनवरी महीने में योगी का रामनगरी का यह छठवां दौरा है। इससे पहले मुख्यमंत्री 9 जनवरी, 14 जनवरी, 19 जनवरी, 21–22 जनवरी और 23 जनवरी को अयोध्या पहुंचे थे।

तेलंगाना: रोड़ एक्सीडेंट में एक ही परिवार के दो बच्चों समेत 5 लोगों की मौत, कार के उड़े परखच्चे

एजेन्सी

हैदराबाद। तेलंगाना के नलगोंडा जिले में एक ही परिवार के दो बच्चों समेत पांच लोगों की सड़क हादसे में मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रुप से घायल है। हादसे के शिकार लोग जिस कार से यात्रा कर रहे थे उसमें तेज गति से आ रहे एक वाहन ने टक्कर मार दी। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा आज बिहार के अररिया पहुंची

एजेन्सी

नयी दिल्ली। कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा को लेकर आज यानी सोमवार को बंगाल के बॉर्डर से बिहार में दाखिल हो रहे हैं।

यह यात्रा बंगाल से सटे किशनगंज के फरानगोला चौक पर सुबह 9 बजे पहुंची। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को आरोप लगाया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा देश में हिंसा और नफरत फैला रही है। अपनी ''भारत जोड़ो न्याय यात्रा के तहत यहां एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा कि केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाले राजग शासन के दौरान विभिन्न धर्मों और जातियों के लोग आपस लड़ रहे हैं।गांधी अपनी इस यात्रा के

तहत ऐसे समय में बिहार आए हैं जब कांग्रेस के पूर्व सहयोगी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक दिन पहले फिर से पाला बदलकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में वापस चले गए। यह 2020 में विधानसभा चुनावों में प्रचार के बाद से उनका पहला बिहार दौरा था। उन्होंने कहा, ''आरएसएस और भाजपा की विचारधारा देश में हिंसा और नफरत फैला रही है। गांधी ने कहा, ''वे (आरएसएस और भाजपा) लोगों को धर्म, जाति और भाषा के नाम पर आपस में लड़ने के लिए उकसाते हैं। भाई–भाई से लड़ रहे हैं... उन्होंने (आरएसएस और भाजपा) देश में यही माहौल बना दिया है। हम (कांग्रेस) लोगों को एकजुट करने के लिए काम करते हैं... हम ''नफरत के बाजार में ''मोहब्बत की दुकान खोलना चाहते हैं किशनगंज पहुंचने पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने बिहार में कांग्रेस सांसद गांधी का स्वागत किया। किशनगंज सीमांचल क्षेत्र का एक जिला है जहां मुस्लिम आबादी ज्यादा है। इस अवसर पर तिरंगा झंडा और पार्टी के झंडे हाथ में लिए बड़ी संख्या में कांग्रेस समर्थकों ने राहुल गांधी जिंदाबाद के नारे लगाए।कांग्रेस नेता राहुल गांधी की किशनगंज जिले के बाद मंगलवार को निकटवर्ती जिले पूर्णिया और फिर एक दिन बाद बुधवार को कटिहार में रैली होगी। कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने बताया कि राहुल गांधी बृहस्पतिवार को अररिया जिले के रास्ते पश्चिम बंगाल रवाना होंगे और कुछ दिनों बाद झारखंड के रास्ते फिर बिहार लौटेंगे। कांग्रेस की प्रदेश इकाई के नेताओं के अनुसार बिहार में पार्टी के गठबंधन सहयोगियों राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अध्यक्ष लालू प्रसाद और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी–लेनिनवादी) के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य को पूर्णिया की रैली में आमंत्रित किया गया है।

सम्पादकीय

रामलला के सवाल

अभी इस बात पर बिल्कुल न जाएं कि रामराज्य अयोध्या में पहले आया या फिर पूरे यूपी में ही उससे भी पहले आ चुका था, जिसका प्रमाण पत्र खुद प्रधानमंत्री ने सरेआम बांटा था। यह भी भूल जाएं कि वाल्मीकि रामायण में जो परिकल्पना की गई है, उसके मुताबिक रामराज्य में शोक और रुदन का कोई स्थान नहीं है, क्योंकि वहां सभी तृप्त, परिपूर्ण हैं–

सर्व मुदितमेवसित, सर्वो धर्म परो अभवतः, राम मेवानु पश्यन्तो, नाभ्य हिंसा परस्परम एक पखवाड़े पहले से शुरु हुआ हल्ला केवल नारियल पानी और फल के सहारे प्रधानमंत्री की 20 हजार किलोमीटर की यात्राओं के बाद खत्म हुआ। इसमें वे देशभर के सभी खास मंदिरों में गए और इसकी तस्वीरें पूरे देश को दिखाई गईं। हल्ला इस बात का था कि राम आ रहे हैं। यानी इससे पहले देश में भगवान राम का अस्तित्व नहीं था। उन रामलला का भी नहीं, जिन्हें 23 दिसंबर 1949 को महंत राम शिवम दास ने ढहाई गई बाबरी मस्जिद में साजिशन (ऐसा सुप्रीम कोर्ट ने माना है) रखा था और वह भी तब के डीएम केके नैयर की मदद से। उस पंडित लाल दास का भी नहीं, जो रामलला विराजमान के पहले पुजारी रहे और जिनकी बाद में हत्या कर दी गई थी। करीब 75 साल से एक तिरपाल के नीचे प्रभु राम अपने लिए एक स्थायी वास का इंतजार करते रहे, लेकिन अब जो विराजमान हैं, वे मंगलुरु के एक शिल्पकार अरुण योगीराज की पांच साल के एक बालक की परिकल्पना हैं। तमाम अखबारों के इश्तिहार और मीडिया चौनलों के कार्यक्रम दुनियाभर में इस सच्चाई के गवाह हैं कि प्रभु राम प्रधानमंत्री की उंगली पकड़कर अयोध्या के राम मंदिर में आए और खुद प्रधानमंत्री ने उनमें प्राण फूंके। प्राण प्रतिष्ठा में यजमान बने डॉ. अनिल मिश्र और उनकी पत्नी ऊषा मिश्र भी विधि–विधान से नदारद हो गए, क्योंकि कैमरे के सामने सिर्फ प्रधानमंत्री ही नजर आए। नदी घाटी सभ्यता के पांच हजार साल के इतिहास में कृषि प्रधान भारत को हमेशा उत्सवों के रंग में नहाते देखा गया है। उत्सव, यानी खान–पान, गीत–संगीत, मेल–मिलाप, ढेर सारी गतिविधियां और सुनी–सुनाई कहानियां। भारत इन उत्सवों में हमेशा से ताकत खोजता नजर आया है, लेकिन इन उत्सवों का राजनीतिकरण, भीड़ की ताकत, बाजार की छौंक और इन सभी को सत्ता प्राप्ति का साधन बनाने का प्रयास 2014 के बाद से हुआ है। अब हालत यह है कि भारत उत्सवों के साथ इंवेंट प्रेमी देश भी बन गया है, जहां हर आयोजन का एक खास प्रायोजन होता है। यह सब लिखने का कारण यह है कि प्रभु राम को प्रधानमंत्री दक्षिण के एक शहर से इसी कालखंड में लेकर आए हैं। ये वे रामलला नहीं हैं जो 75 साल का इतिहास जानते हैं। दूसरी तरफ, केंद्र सरकार के एक भी मंत्री ऐसे नहीं हैं, जिन्होंने यह नहीं कहा हो कि बीते 75 साल में देश में कुछ भी नहीं हुआ। हालांकि तब के रामलला विराजमान को भी पता है कि अयोध्या में राम मंदिर को बनाने वाली कंपनी श्लार्सन एंड टुब्रोश के निर्माण और डिजाइन के पीछे दिमाग उस आईआईटी–मुंबई का लगा हुआ था, जो कांग्रेस के प्रगतिशील अतीत का प्रतिबिंब है। रामलला कहीं–न–कहीं यह भी जानते होंगे कि श्लार्सन एंड टुब्रोश ने 2020 में राम मंदिर को निशुल्क बनाने की पेशकश की थी। सूत्रों के हवाले से मीडिया रिपोर्ट कहती हैं कि श्री राम तीर्थ क्षेत्र के बोर्ड ऑफ ट्रस्टी के महासचिव चंपत राय श्लार्सन एंड टुब्रोश कंपनी के संपर्क में थे। इस कंपनी की तहेदिल से तारीफ होनी चाहिए कि कर्नाटक में करोड़ों का टैक्स बचाकर उसने मुफ्त में राम मंदिर बनाकर देश सेवा की असीम मिसाल पेश की है, लेकिन ताजा मीडिया रिपोर्ट यह भी है कि राम मंदिर के निर्माण में 1800 करोड़ का खर्च आया है। यानी मंदिर बनाने के लिए आए 3500 करोड़ के कुल चंदे का लगभग आधा हिस्सा खर्च हो चुका है। इन सभी तात्कालिक परिस्थितियों में रामलला आए और प्राण प्रतिष्ठित हो गए। हालांकि, उनमें जो प्राण फूंके गए, वे तो उनके भीतर उस अंतर्यामी ईश्वर के हैं, जो सर्वज्ञ हैं। बस, स्वरूप पांच साल के बच्चे का है। प्राण प्रतिष्ठा के तीसरे दिन शायद उन्होंने मंदिर का खर्च जांचा हो। भारत की आर्थिक स्थिति को भी आंका हो। देश में व्याप्त असमानता और धर्म के नाम पर बढ़ती गुंडागर्दी को भी प्रत्यक्ष देखा हो। मुंबई में भीड़ के उन्माद और यूपी की राजधानी लखनऊ में हिंदू उपनिवेशवाद के उस खौफनाक मंजर को भी अपनी अंतर्दृष्टि से देखा हो। ऐसे में जिस उम्र में प्रभु राम प्रतिष्ठापित हुए हैं, उनमें कौतूहल तो हो रहा होगा, क्योंकि यह उनके युग के रामराज्य से बिल्कुल उलट है। खासतौर पर देश में गरीबों, दलितों, अल्पसंख्यकों, महिलाओं की स्थिति को देखकर, जो उनके राज में कहीं कही–सुनी नहीं गईं।

आज का राशि फल

मेष :– रोजगार संबंधी कुछ नयी योजनाओं पर मन केंद्रित होगा। किसी कार्य में सफलता से उत्साह में वृद्धि होगी। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयत्न करें। भौतिक सुख में वृद्धि होगी।

बृषभ :– भावुकता व्यावहारिक जगत के अनुकूल चलने में बाधक होगी। अतः व्यवहार कुशल बने। भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन पर प्रभावी होंगी। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न बरतें। घर में खुशहाल वातावरण रहेगा।

मिथुन :– मूल्यवान समय को व्यर्थ के कायरें में जाया न करें। नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। सकारात्मक सोच को अपनाते हुए जीवन को सही दिशा की ओर केंद्रित करें और परिवार के अनुकूल चलें।

कर्क :– नये व्यावसायिक संबंध प्रगाढ़ होंगे। संवेदनशील शरीर ग्रहां की प्रतिकूलता से बीमार पड़ सकता है। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। पुरानी घटनाओं से मन को कष्ट संभव।

सिंह :– नयी घरेलू जिम्मेदारियों के पैदा होने से व्यय संभव। अच्छे कायरें से परिजनों के दिल में जगह बनायें। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। महत्वपूर्ण कायरें में लापरवाही कतई न करें।

कन्या :– जीवनसाथी के स्वास्य के प्रति सचेत रहें। नये कायरें के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। नये क्षेत्रों में प्रयास से लाभ संभव। व्यावसायिक यात्रा द्वारा लाभ होगा। संबंधियों के सहयोग से कठिनाइयां दूर होंगी।

तुला :– भविष्य को लेकर मन नकारात्मक आशंकाओं से प्रभावी रहेगा। प्रतिभाओं के बावजूद भी हीन भाव प्रतिभाओं के लाभ से वंचित करेगा। सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी। रोजगार में व्यस्तता रहेगी।

वृश्चिक :– काफी दिनों से अवरोधित कोई हल होने के आसार बनेंगे। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्कता अपेक्षित है। शिक्षा प्रतियोगिता की दिशा में किया गया प्रयत्न सार्थक होगा। रोजगार में लाभकारी अवसर मिलेंगे।

धनु :– अपनी बातूनी कला का लाभ उठाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। परिश्रम से आर्थिक लाभ का योग है। समस्याओं के समाधान से उत्साह में वृद्धि होगी।

मकर :– बीती बातों को सोचने के बजाय वर्तमान में जीने की चेष्ठा करें। जरूरत से ज्यादा बोलना व्यक्तित्व पर कुप्रभावी होगा। अतरू इसे सुधारें। नीरस स्वभाववश रचनात्मक योजनाओं को सार्थक करने में असमर्थ होंगे।

कुंभ :– सब कुछ सामान्य होते हुए भी मन अरुचि का शिकार होगा। थोड़ा संयमी व धैर्यवान बने। भाग्य से प्राप्त सभी स्थितियों के मध्य समझौतावादी रवैया अपनायें। कुछ नई व्यस्तताएं सामने आएंगी। आलस्य कतई न करें।

मीनः– कुछ व्यासायिक कारणों से घर से दूर रहना पड़ सकता है। परिजनों की सुख–सुविधा के प्रति मन चिंतित होगा। मस्त–मौला मन ब्यर्थ के कायरे में समय जाया कर महत्वपूर्ण कार्य के प्रति लापरवाह के प्रति मन चिंतित होगा। मस्त–मौला मन ब्यर्थ के कायरे में समय जाया कर महत्वपूर्ण कार्य के प्रति लापरवाह होगा।

फिर नीतीश का यू टर्न

पिछले कुछ समय से बिहार में इंडिया गठबंधन की गांठें खुलने के कयास लग रहे थे। रविवार की सुबह नीतीश के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे और शाम को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने ने उन कयासों को हकीकत बना दिया। बिहार में फिर आयाराम–गयाराम का मुहावरा चरितार्थ हुआ। नीतीश ने गठबंधन से अलग होने का भी ऐलान किया है। वर्ष 2022 में राजग गठबंधन से अलग हुए नीतीश फिर राजग के साथ मिलकर मुख्यमंत्री बने हैं। निस्संदेह, उनका एनडीए में जाना इंडिया गठबंधन के लिये एक बड़ा झटका है। वह भी तब जब लोकसभा चुनाव बेहद करीब हैं। बहरहाल, भाजपा ने दिल्ली में सत्ता की राह के लिये निर्णायक चार बड़े राज्यों में से उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र व बिहार में समीकरण अपने पक्ष में साध लिये हैं। बिहार के वरिष्ठ भाजपा नेता सुशील मोदी का वह बयान भी सिरे चढ़ा है, जिसमें उन्होंने कहा था कि राजनीति में दरवाजे कभी पूरी तरह बंद नहीं होते। बहरहाल, सुशासन बाबू कहे जाने वाले नीतीश कुमार की साख पर इसकी आंच जरूर आएगी। लेकिन एक बात तय है कि आज शुचिता व मूल्यों की राजनीति की जगह सिर्फ वोट के समीकरण जुटाने की राजनीति ने हथिया ली है। भाजपा अब यह प्रचार जोर–शोर से करेगी कि विपक्षी गठबंधन के सूत्रधार रहे नीतीश बाबू अब राजग का हिस्सा हैं। निस्संदेह भाजपा ने एक तीर से कई निशाने साधकर विपक्ष की धार को कुंद किया है। बहरहाल, एक बेहद सीमित प्रतिशत वाली जाति के नेता नीतीश ने राज्य में तीसरे नंबर की पार्टी होने के बावजूद अपनी मुख्यमंत्री की कुर्सी बरकरार रखी है। वहीं कहीं न कहीं मोदी की तीसरी जीत की राह भी आसान कर दी है। एक समय 2022 में राजग गठबंधन से अलग होने के बाद भाजपा के सूत्रधार अमित शाह ने कहा था कि नीतीश की राजग में वापसी नहीं होगी। लेकिन राजनीतिक समीकरणों ने उनकी वापसी सुनिश्चित कर दी। अब भाजपा को भी कहने का मौका मिल गया है कि जो विपक्षी एकता के सूत्रधार थे और जिनके नेतृत्व में पटना में इंडिया गठबंधन की पहली बैठक हुई थी, वो अब राजग का हिस्सा हैं। अब नीतीश के बयानों से ही इंडिया गठबंधन पर हमले बोले जाएंगे। बहरहाल, बार–बार पाला बदलकर सत्ता को साधने वाले नेता के रूप में नीतीश कुमार की यह पहचान फिर पुख्ता हुई है। इस तरह इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग करके बिहार में सोशल इंजीनियरिंग करने वाले नीतीश ने इंडिया गठबंधन के लोकसभा चुनाव में सशक्त विपक्ष के सपने को तोड़ा है। कभी जय प्रकाश नारायण के आंदोलन से उपजे नीतीश ने कालांतर अपने साथियों लालू प्रसाद यादव व जार्ज फर्नांडिस से किनारा करके सत्ता की राह तलाशी। अपनी पांच दशक की राजनीति में वे सुविधा के हिसाब से लगातर पाले बदलते रहे। वर्ष 1996 में भाजपा से गठबंधन किया। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में कई विभागों में केंद्रीय मंत्री भी रहे। फिर बिहार में लालू यादव का विकल्प बनकर उभरे। पिछले एक दशक में वे पांचवीं बार पाला बदल चुके हैं।

नीतिश कुमार : नैतिक गिरावट की नई इबारत

यूं तो भारतीय राजनीति में दलबदल और सत्ता के लिये तमाम तरह के सही–गलत गठजोड़ों में शामिल होना या उनसे अलग होना नई बात नहीं है, परन्तु बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को जिस तरह एक बार फिर अपनी ही सरकार को गिराकर नई सरकार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है, वह नैतिक गिरावट के नये मानदण्ड के रूप में याद रखा जायेगा। लगभग 17 माह तक राष्ट्रीय जनता दल के साथ मिलकर जनता दल यूनाईटेड के सुप्रीमो नीतीश कुमार ने जो सरकार चलाई थी, वह भी उन्होंने 2017 में भारतीय जनता पार्टी के साथ मिलकर चलाई जा रही अपनी सरकार को तोड़कर बनाई थी। नीतीश के खाते में ऐसे कई अनैतिक सियासी किस्से दर्ज हैं, परन्तु जिस प्रकार से अबकी बार उनका आचरण रहा है, वह उनकी नैतिक गिरावट की एकदम नई इबारत ही कही जायेगी। 1994 में जनता दल से अलग होकर नीतीश कुमार ने जॉर्ज फर्नांडीज के साथ मिलकर समता पार्टी का गठन किया था और 1996 में भाजपा के साथ हाथ मिलाया था। 2003 में उन्होंने जेडीयू गठित की थी और 2005 में भाजपा के साथ मिलकर बिहार में सरकार बनाई थी। भाजपा प्रणीत नेशनल डेमोक्रेटिक एलाएंस (एनडीए) के सहयोगी के रूप में उन्होंने 2013 में नरेन्द्र मोदी की प्रधानमंत्री पद की उम्मीदवारी का विरोध करते हुए भाजपा का साथ छोड़ा था। 2014 में उनकी पार्टी ने लोकसभा का अकेले चुनाव लड़ा था। तब उसे केवल 2 सीटें हासिल हुई थीं जबकि 2009 में उसके पास 18 सीटें थीं। 2014 में पराजय की जिम्मेदारी लेते हुए नीतीश ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर जीतनराम मांझी को अपनी गद्दी सौंपी थी। विधानसभा में बहुमत परीक्षण के दौरान लालू यादव की राष्ट्रीय जनता दल एवं कांग्रेस ने समर्थन देकर सरकार को बचा लिया था जिससे तीनों दलों के महागठबन्धन की राह खुली थी। 2015 के विधानसभा चुनावों में उसे सफलता भी मिली। 2017 में नीतीश ने फिर सरकार पलटाई। भाजपा के साथ सरकार बनाकर वे मुख्यमंत्री की कुर्सी पर डटे रहे। सदन में गठबन्धन का बहुमत रहा। भाजपा के दो उप मुख्यमंत्री वाले फार्मूले एवं नेशनल सिटीजन्स रजिस्टर के मुद्दे पर असंतोष जताते हुए उन्होंने भाजपा का साथ अगस्त 2022 में छोड़ दिया और फिर से राजद के साथ सरकार बना ली– मुख्यमंत्री वे ही बने रहे। अब रविवार को उन्होंने सुबह अपने पद से इस्तीफा देकर शाम होते–होते भाजपा की मदद से फिर सरकार बना ली। बार–बार पलटने की बात एक ओर रख दी जाये तो भी नीतीश ने अनैतिक आचरण की जो मिसाल पेश की है वह निहायत लज्जाजनक है। हालांकि इसमें भाजपा भी बराबरी की जिम्मेदार है जबकि पिछले करीब 17 माह दोनों ने एक दूसरे को कोसने में निकाले हैं। नीतीश कुमार ने 2017 में गठबन्धन को तोड़ते हुए कहा था कि भाजपा के साथ जाना उनकी बहुत बड़ी गलती थी। अब वे मर जायेंगे परन्तु भाजपा के साथ कभी नहीं जाएंगे।श दूसरी ओर केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने एक चुनावी सभा में ललकार कर कहा था कि नीतीश एवं लल्लन प्रसाद सिंह (पूर्व जेडीयू अध्यक्ष व सांसद) सुन लें कि उनके लिये भाजपा के दरवाजे हमेशा के लिये बन्द हो गये हैं। हाल ही में केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह भी ऐसा कह चुके थे। इधर पिछले दिनों से ही सुगबुगाहट थी कि नीतीश बाबू फिर पलटी मारने वाले हैं। यह चर्चा तभी से आम हो गयी जब वे राज्यपाल राजेन्द्र अरलेकर से मिलने गये थे। हालांकि उस मुलाकात को शिष्टाचार भेंट बतलाया गया था। शनिवार तक जेडीयू के कई वरिष्ठ नेता कहते रहे कि सरकार बनी हुई है और गठबन्धन बरकरार है। इन बयानों के 24 घंटे बीतते न बीतते नीतीश कुमार ने नौंवी बार सीएम पद की शपथ लेकर अवाम को समझा दिया है कि राजनीतिज्ञों की जुबान पर कितना भरोसा किया जाये। राजनीति की साख का जो संकट है, वह किसलिये है– यह भी नीतीश कुमार ने सोदाहरण समझाया है। नीतीश का इस वक्त प्रदर्शित यह आचरण किसी एक प्रदेश की सरकार के बनने–बिगड़ने या सीएम की कुर्सी से बढ़कर है। भारतीय लोकतंत्र को इससे बड़ा धोखा इस लिहाज से नहीं दिया जा सकता कि करीब तीन महीने बाद ही होने वाले लोकसभा चुनाव में पहली बार मोदी व भाजपा को संयुक्त प्रतिपक्ष की बेहद कड़ी चुनौती मिल रही है जिसका नीतीश अहम हिस्सा थे। एक तरह से मृतप्राय हो चुकी संयुक्त विपक्ष की अवधारणा को जिन लोगों ने पुनर्जीवित किया है, उनमें नीतीश प्रमुख थे। तकरीबन एक साल पहले उन्होंने इसके बाबत चर्चा शुरू की थी और आज जो इंडियाश नाम से महागठबन्धन बना हुआ है, उसकी पहली बैठक नीतीश की पहल पर ही बिहार की राजधानी पटना में हुई थी। उन्होंने कांग्रेस के वर्चस्व की स्वीकार्यता बनाने में भी बड़ी भूमिका निभाई थी। वे यह भी कहते रहे कि इंडिया में संयोजक या प्रधानमंत्री पद के लिये कोई लड़ाई नहीं है। वे महागठबन्धन के प्रमुख शिल्पकार रहे इसलिये उनके बयानों ने सहयोगी दलों एवं भाजपा के विकल्प के रूप में गठबन्धन की ओर निहारती अवाम में उत्साह जाग्रत हुआ था। वैसे जानकार कह रहे हैं कि इस दोबारा बने मेल से नीतीश व भाजपा दोनों की ही छवियों में राज्य के भीतर बड़ी गिरावट आयेगी तथा इसका फायदा कांग्रेस एवं राजद को मिलेगा। लोकसभा चुनाव में ये दोनों दल तथा वामपंथी पार्टियां अधिक सीटें पा सकती हैं। खैर, यह बाद की बात है, परन्तु इतना जरूर है कि नीतीश ने अपने पहले के तमाम कलंकों को धोने का एक अनुपम अवसर खो दिया।

बिहार पर भार है: नीतीश कुमार है

नीतीश कुमार ने साबित कर दिया कि आदमी के गिरने की कोई सीमा नहीं होती। आयाराम गयाराम के पूर्व के सारे उदाहरण उन्होंने ध्वस्त कर दिए। खुद पहल करके विपक्ष को जोड़ा। जिस बीजेपी के साथ गए हैं उसके ठीक विपरीत सिरे सीपीआई (एमएल) के सम्मेलन में उन्होंने मोदी को हराने के लिए विपक्षी एकता की गुहार लगाई थी। विपक्षी नेताओं का पहला सम्मेलन खुद पटना में किया था। और आज बिना कोई कारण बताए उसे छोड़कर भाजपा के साथ चले गए। ये वही नीतीश कुमार हैं जो 2015 के विधानसभा चुनाव में लालू यादव और कांग्रेस के साथ आए थे। महागठबंधन बना। 2014 में मोदी जी ने लोकसभा और उसके बाद हरियाणा, महाराष्ट्र विधानसभा जीतकर जो अपना अश्वमेध यज्ञ शुरू किया तो उसके घोड़े को बिहार में लालू ने ही पकड़ा था। मगर सबसे ज्यादा 81 सीटें जीतने के बाद भी उन्होंने कम सीटों 71 वाली जेडी यू के नेता नीतीश को मुख्यमंत्री बना दिया। लेकिन 2017 में वे फिर भाजपा के साथ उसी तरह चले गए जैसे अभी गए हैं। नीतीश कुमार का पूरा इतिहास इसी तरह विश्वासघात का रहा है। लेकिन यह अब आखिरी मौका है। इसके बाद उनकी राजनीति ही खत्म हो जाएगी और सबसे दुख की बात होगी कि उनके जीवन का उत्तरार्द्ध सोनिया गांधी या लालू प्रसाद यादव की तरह अपनी पार्टी में सम्मान पाते हुए नहीं बीतेगा बल्कि लालकृष्ण आडवानी और मुरली मनोहर जोशी की तरह बेचारगी में गुजरेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी पार्टी के लोगों को ही जब अनुपयोगी बनाकर उन्हें अप्रासंगिक बना दिया तो नीतीश तो वह नेता हैं जिन्होंने मोदी के सामने से 2013 में खाने की थाली खींच ली थी। मोदी अगर अकारण आडवानी, जोशी, राजनाथ सिंह, गडकरी और भी बहुत से नाम हैं, जिनमें चली गईं सुषमा स्वराज भी हैं जिनके लिए आखिरी वक्त में भक्तों ने यह कहा था कि उनके पति को चाहिए कि जब वे घर आएं तो उनके बाल पकड़कर घसीटते हुए उनकी पिटाई की जाए, तक सब की प्रतिष्ठा खत्म कर सकते हैं तो फिर नीतीश को जिन्होंने 2013 में खाने पर बुलाकर फिर मना किया था कि मत आओ कैसे भूल सकते हैं?

नीतीश की कहानी बहुत सारे लोग लिखेंगे। दिन तारीखों के साथ। इसलिए उन्हें बताने का कोई मतलब नहीं है। मगर जो बड़े कांड किए हैं. जिन्होंने आदमी के प्राण भी ले लिए वह तो एक बार फिर लिखित में सामने रखना पड़ेंगे। वह आदमी इनका राजनीतिक गुरु था। जी हां! शरद यादव। उन्हीं को नीतीश ने 2016 में पार्टी के अध्यक्ष पद से हटा दिया था। सात बार के लोकसभा और तीन बार के राज्यसभा सदस्य शरद यादव जिस जेडी यू को बनाने वाले थे और 13 साल जिसके अध्यक्ष रहे थे, उन्हें नीतीश ने हटा दिया। शरद यादव यह सदमा बर्दाश्त नहीं कर पाए। संसद सदस्यता नहीं रही तो जिस बंगले 7 तुगलक रोड पर

22 सालों से रहे उसे खाली करके जाना पड़ा।उन्होंने कहा था इस बंगले से पहले भी वह कई सालों से इसी लुटियंन जोन में रहे। मगर अब इसके बाहर प्राइवेट मकान में जाना पड़ रहा है। जो कोई भी नेता जाना नहीं चाहता। क्योंकि नेताओं के पास आने जाने वाले लोग लुटियंन जोन के अलावा दिल्ली के दूसरे दूरदराज के इलाकों में नहीं जा पाते। गुलाम नबी आजाद का बंगला उनके पास कोई सरकारी स्थिति न होने के बावजूद बरकरार रखा गया है। क्योंकि वे मोदी सरकार की शरण में आ गए। मगर शरद यादव ने 2014 में ही मोदी के साथ जाने से इनकार कर दिया था। और इसी के अपराध में नीतीश ने उन्हें अध्यक्ष पद से हटाया। राज्यसभा नहीं दी। और वे इन सारे सदमों को एक साथ नहीं सह सके। शरद समाजवादियों के पहले हीरो थे। 1974 में जनता पार्टी के पहले उम्मीदवार के रूप में जबलपुर से लोकसभा जीते थे। दबंग छात्र नेता के तौर पर। मगर नीतीश से धोखा खाकर फिर नहीं संभल पाए। नीतीश रविवार को एक बार फिर मुख्यमंत्री से इस्तीफा देकर वापस मुख्यमंत्री जरूर बन गए हैं। मगर अपनी सारी प्रतिष्ठा, सार्वजनिक सम्मान खत्म करने के बाद। 2020 के बाद यह तीसरा मौका है जब उन्होंने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली हो। 2020 विधानसभा में आरजेडी, बीजेपी के बाद तीसरे नंबर पर रहने के बाद भी वे मुख्यमंत्री बन गए थे। भाजपा की मदद से। मगर फिर महागठबंधन के साथ आए। और तेजस्वी को दूसरी बार उप मुख्यमंत्री बनाते हुए शपथ ली। और फिर 28 जनवरी 2024 को तीसरी बार बीजेपी के साथ शपथ ली। बेशरमी की सारी सीमाएं पार कर दीं। जनता इसको समझ रही है। बिहार की वह जनता जो 2015 में नारे लगा रही थी बिहार में बहार है नीतीश कुमार है! वह कहने लगी कि शबिहार पर भार है नीतीश कुमार है! दरअसल जनता कारण चाहती है। आप जिसने कहा था कि मैं मर जाऊंगा मगर अब बीजेपी के साथ नहीं जाऊंगा। वह क्यों चले गए। नीतीश बता नहीं पा रहे हैं। यह वैसा ही मामला है जैसे कोई तलाक के लिए कोर्ट जाए और जज पूछें क्यों तलाक चाहिए तो व्यक्ति कहे कि वकील साहब बताएंगे। तो अब यह भाजापा पर है कि वह अपना पक्ष मजबूत करने के लिए किस पर इल्जाम रखना ज्यादा सही समझती है। राहुल गांधी पर या लालू यादव पर। जो बीजेपी कहेगी। वही गोदी मीडिया कहने लगेगा। मगर वह चलेगा नहीं। जनता भोली हो सकती है। याददाश्त कम हो सकती है। मगर उसे कहानी चाहिए। और इस बार नीतीश के पास कोई कहानी नहीं है। खुद जेडीयू के लोग पूछ रहे हैं। यहां तक कि भाजपा के लोग भी। मगर कारण किसी को नहीं पता। दबे स्वरों में राजनीतिक क्षेत्र में एक ही बात कही जा रही है कि नीतीश की कोई कोर दबी है। मतलब कोई ऐसी चीज है जो मोदी जी अमित शाह के पास पहुंच गई है जिससे नीतीश मजबूर हो गए हैं। वह कोई फाइल है या कुछ और यह अभी किसी को नहीं पता। मगर कुछ तो है! नहीं तो जिन अमित शाह ने यह भरी सभा में कहा था कि सब कान खोलकर सुन लो अब नीतीश के लिए दरवाजा कभी नहीं खुलेगा। भाजपा के दरवाजे उनके लिए हमेशा के लिए बंद हो गए हैं। फिर ये दरवाजे क्यों खुले? इसका एक ही कारण हो सकता है कि नीतीश बिल्कुल शरणागत होकर बीजेपी के दरवाजे गए हों। मगर जो भी हो नीतीश की राजनीति हमेशा के लिए खत्म हो गई। और यह बिहार में आरजेडी के लिए अच्छा है। इसका मुकाबला अब सीधा भाजपा से होगा। बीच में नीतीश के खत्म होने से वोट बंटेगा नहीं। आरजेडी के नेतृत्व में महगठबंधन बनाम भाजपा। यूपी में भी यही सीन बन गया है। सपा की अगुआई में कांग्रेस और जयंत चौधरी सीधे भाजपा से लड़ेंगे। वहां भी नीतीश की तरह मायावती अप्रासंगिक हो जाएंगी। और 2024 के लोकसभा चुनाव के भी सारे कन्फ्यूजन दूर हो जाएंगे। इन्डिया गठबंधन इस तरह धोखेबाजों के निकल जाने पर और मजबूत होगा। बिहार में जो 17 लोकसभा सीटों पर जेडीयू दावे कर रहा था वह सीटें अब आरजेडी और सहयोगी दलों में बंट जाएंगी। साथ ही गठबंधन के बाकी घटकों को भी एक मैसेज मिलेगा कि अब तीसरी धारा की कोई गुंजाइश नहीं है या तो इंडिया गठबंधन के साथ मजबूती से या बीजेपी के साथ शरणागत होकर। आमने सामने की लड़ाई इंडिया गठबंधन के लिए फायदेमंद होगी। भाजपा से सीधा मुकाबला!

विपक्षी गठबंधन में क्या हो रहा है?

यह रहस्य है कि विपक्षी गठबंधन श्इंडियाश्य के अंदर क्या हो रहा है। विपक्षी नेताओं की आखिरी बैठक 19 दिसंबर को हुई थी। उसके बाद साइडलाइंस का कुछ बैठकें हुई हैं। श्इंडियाश्य की आखिरी बैठक में तय किया गया था कि तीन हफ्ते में सीट बंटवारा फाइनल कर लिया जाएगा। ध्यान रहे तीन हफ्ते की यह डेडलाइन भी कई बार की विफलता के बाद तय हुई थी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बेंगलुरू में हुई दूसरी बैठक के समय यानी जुलाई से ही दबाव डाल रहे थे कि जल्दी सीट बंटवारा किया जाए। ममता ने तो 31 अक्टूबर की डेडलाइन दी थी। लेकिन तीन राज्यों के चुनाव की वजह से तीन महीने से ज्यादा समय तक श्इंडियाश्य को कोई बैठक ही नहीं हुई।

जब कांग्रेस हिंदी पट्टी के तीनों राज्यों में हारी तो आनन–फानन में मीटिंग की एक तारीख तय की, जिसे विपक्षी नेताओं ने खारिज कर दिया। उसके बाद 19 दिसंबर को बैठक हुई, जिसमें तीन हफ्ते की समय सीमा तय की गई। अब उस बैठक के तीन क्या पांच हफ्ते बीत चुके हैं और कहीं भी सीट बंटवारे की बात तय नहीं हुई है। कुछ राज्यों को लेकर शुरुआती बातचीत जरूर हुई है लेकिन फैसला कहीं हो पाया है। उलटे कई राज्यों में बातचीत में बाधा आ गई है, जिसके बाद वार्ता बंद हो गई है। आम आदमी पार्टी के साथ कई दौर की बातचीत हुई लेकिन अब ऐसा लग रहा है कि पंजाब को लेकर कोई तालमेल नहीं होगा इसी तरह ममता बनर्जी ने कहा है कि पश्चिम बंगाल छोड़ कर वे बाकी जगह तालमेल के लिए तैयार हैं तो सीपीएम ने कहा है कि केरल छोड़ कर बाकी जगह उसे तालमेल करना है। हालांकि इनमें से किसी के साथ अंतिम समझौता नहीं हुआ है।

इसी तरह 19 दिसंबर के बाद हुई एक वर्चुअल बैठक में एक और बहुत अहम फैसला हुआ था। सूत्रों के हवाले से ही खबर आई थी लेकिन खबर पक्की थी कि सभी नेताओं ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे को श्इंडियाश्य का अध्यक्ष बनाने की सहमति दे दी है। उस दिन नीतीश कुमार को लेकर कुछ विवाद भी हुआ और बाद में खुद नीतीश ने संयोजक बनने से मना कर दिया। लेकिन अध्यक्ष का नाम तय कर दिया था।

सुएज इंडिया ने सफाई मित्रों के लिए आयोजित किया ईएसआईसी स्वास्थ्य जांच शिविर

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। वन सिटी वन ऑपरेटर के तहत लखनऊ में सीवेज मैनेजमेंट के लिए उत्तरदायी सुएज इंडिया ने मंगलवार को लखनऊ में ईएसआईसी (कर्मचारी राज्य बीमा निगम) चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। यह आयोजन 345 एम.एल डी. एसटीपी, भरवारा, गोमती नगर में हुआ। इस शिविर का उद्देश्य कामगारों को आवश्यक प्राथमिक स्वास्थ्य जांच सेवाएं प्रदान करना था, जो इस क्षेत्र के लोगों के कल्याण के लिए सुएज इंडिया की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। शिविर में कुल 112 सफाई मित्रों ने बीपी और शुगर परीक्षण सहित आवश्यक स्वास्थ्य जांच करवाई। जिन सफाई मित्रों के लिए आगे की जांच की आवश्यक थी, उन्हें निकटतम ईएसआईसी अस्पताल में रिपोर्ट करने के लिए डॉक्टरों ने मार्गदर्शन दिया, ताकि वे स्वास्थ्य सेवाओं का बेहतर लाभ उठा सकें।

इस स्वास्थ्य जांच शिविर को सफल बनाने में विभिन्न पेशेवरों ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मेडिकल टीम में डॉ विनय गुप्ता, डॉ अरुण वर्मा और डॉ अपर्णा सिद्धार्थ शामिल थे, जिन्होंने उपस्थित लोगों को चिकित्सा सहायता प्रदान की। श्री कमालदीप कुमार खैरवाल और श्री राहुल कुमार द्वारा नर्सिंग सेवाओं को कुशलता से संभाला गया। फार्मास्युटिकल पहलू श्री शारिक खान द्वारा प्रबंधित किया गया था, जिससे रोगियों के लिए आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित हुई। श्री सुजीत, श्री राहुल और श्री राजेंद्र प्रसाद द्वारा हाउसकीपिंग का काम पूरी दक्षता के साथ किया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ चंद्रिका प्रसाद पाल समन्वयक के रूप में उपस्थित थे, जिससे यह आयोजन निर्बाध रूप से आयोजित किया जा सका।

डॉ. अरुण वर्मा ने ऐसे स्वास्थ्य शिविरों के महत्व पर जोर देते हुए कहा, ष्हेल्दी वर्कफोर्स के लिए नियमित स्वास्थ्य जांच महत्वपूर्ण है, जिससे संभावित स्वास्थ्य समस्याओं का शीघ्र पता लगाया जा सके और समय रहते उचित इलाज हो सके।

सुएज इंडिया के प्रोजेक्ट डायरेक्टर श्री राजेश मठपाल ने इस आयोजन पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, ष्हमारा लक्ष्य समाज के स्वास्थ्य और खुशहाली में अपना योगदान देना है। ऐसे शिविर सामाजिक जिम्मेदारी और जनकल्याण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

फेल किडनी ठीक11साल से बिना दवा की है फुलझारी डा एस बी तिवारी.....

मृत्युंजय प्रताप सिंह

राजधानी लखनऊ में लगातार जटील, असाध्य खासतौर से किडनी की बीमारियों पर प्रमाणिक प्रस्तुति देकर चिकित्सा जगत में विश्वास का पर्याय बन चुके विश्व विख्यात लिम्का बुक रिकॉर्डर, देश विदेश में अनेकों सम्मान से सम्मानित, 23000 से भी अधिक पथरी, हजारों डायलिसिस, सैकड़ो मोटर न्यूरॉन डिजीज जैसे अनेकों असाध्य बीमारियों को ठीक कर प्रमाणिक प्रस्तुति देने वाले चिकित्सक डॉ एस तिवारी कल्याण जी ने गाजीपुर के फुलझारी देवी को नया जीवन देकर पुनः एक बार चेहरे पर मुस्कुराहट लाने की कोशिश की है। पिछले 11 साल पहले फूलझारी देवी जो गाजीपुर की रहने वाली हैं उनकी किडनी खराब हो गई थी।बनारस ,आजमगढ़, गाजीपुर, मऊ, बलिया के तमाम चिकित्सकों ने यह कह दिया था कि अब इनका कोई इलाज नहीं अब ले जाकर के इनका सेवा करिए। ऐसे में होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति के द्वारा लगातार लोगों में विश्वास पैदा करने वाले चिकित्सक डॉक्टर एस बी तिवारी जी ने उनका इलाज लगभग 8ध्9 महीना किया और उसके बाद पिछले 10 सालों से बगैर किसी दवा के पूरी तरह से स्वस्थ हैं और अपना सामान्य जीवन जी रही है। ऐसे में यह शोध का विषय है की एक तरफ एलोपैथी चिकित्सा पद्धति कहती है कि एक बार किडनी खराब हो गई तो वह पुनः ठीक नहीं हो सकती है। उसका सिर्फ और सिर्फ ट्रांसप्लांट ही एक विकल्प है ।दूसरी तरफ डॉ तिवारी जी लगातार प्रमाण पर प्रमाण देकर लोगों को ठीक कर ऐसे ही प्रमाणिक प्रस्तुति देते चले आ रहे हैं। निश्चित रूप से चिकित्सा जगत के लिए एक बहुत ही सुखद और संतोषजनक खबर कहीं जाएगी। डॉक्टर तिवारी जी ने बताया कि वह हर मरीज को बीमारी के उसे कारण को गहराई से लेते हैं जिसके वजह से यह समस्या पैदा हुई । उन्होंने बताया की होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति सचमुच में अगर सही तरीके से आम जनमानस तक पहुंचाया जाए तो बीमारी कोई भी हो उसे ठीक किया जा सकता है जैसा की होम्योपैथिक का सिद्धांत है।

पहले भुगतान फिर मतदान , जिलाधिकारी कार्यलय के सामने लगा नारा

सुल्तानपुर– पहले भुगतान फिर मतदान का नारा लगाते हुए जिलाधिकारी कृतिका ज्योत्सना के कार्यालय के सामने प्रदर्शन। अपर जिलाधिकारी वित्त राजस्व कार्यालय की तरफ से चिट फंड कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई अवरुध होने को बनाया मुद्दा। अनी बुलियन ट्रेडर्स समेत कई कंपनियों के आर्थिक भ्रष्टाचार का जिलाधिकारी कार्यालय के सामने उठाया गया मुद्दा। ठगी के शिकार हुए लोगों को न्याय दिलाने जाने की उठाई गई मांग। अनी बुलियन ट्रेडर्स,अलास्का और एक टू जेड की तरफ से सुल्तानपुर जिले में अब तक की जा चुकी है 10 करोड़ से अधिक की ठगी। केंद्र सरकार की तरफ से बनाए गए प्रावधान के मुताबिक भुगतान दिलाए जाने के लिए उठाई गई आवाज।

अखिल भारतीय सांख्यिकी सेवा परीक्षा 2023 में अवध कॉलिजिएट की छात्रा जान्हवी पटेल (बैच 2015) ने पूरे भारत में दूसरा स्थान (AIR&2) प्राप्त किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। संघ लोक सेवा आयोग (यू०पी०एस०सी) की ओर से आयोजितअखिल भारतीय सांख्यिकी सेवा परीक्षा 2023 में अवध कॉलिजिएट की छात्रा जान्हवी पटेल ने पूरे भारत में दूसरा स्थान (।प्ट–2) प्राप्त किया। जान्हवी पटेल ने अवध कॉलिजिएट के साथ अपने सभी अध्यापकों एवं माता–पिता का सम्मान बढ़ाया है। उल्लेखनीय है कि जाहन्वी ने 2015 में अवध कॉलेजिएट से 12वीं की परीक्षा पास की थी।

विद्यालय प्रबन्धक सर्वजीत सिंह एवं निदेशिका जतिन्दर वालिया ने जान्हवी की इस अद्वितीय उपलब्धि पर शुभ कामनाएं देते हुए कहा कि यह विद्यालय के लिए गौरव की बात है। छात्रा जान्हवी पटेल ने देश की सबसे कठिन परीक्षा में चयनित होकर विद्यालय एवं अपने परिवार का मान–सम्मान बढ़ाया।

स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए केन्द्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा कल्याणकारी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है:- अजीत सिंह बब्बन

50 प्रशिक्षित लाभार्थियों को प्रमाण–पत्र एवं निशुल्क टूलकिटों का वितरण किया गया:- दुर्गेश

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना)। जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, हरदोई के कार्यालय में आज विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के लाभार्थियों को टूलकिट वितरण का शुभारम्भ भाजपा जिलाध्यक्ष मुख्य अतिथि के रूप में अजीत सिंह बब्बन ने 50 प्रशिक्षित लाभार्थियों को प्रमाण–पत्र एवं उन्नत किस्म की निशुल्क टूलकिटों का वितरण किया गया।

इस अवसर पर श्री बब्बन ने प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके लाभार्थियों को प्राप्त किटों के माध्यम से व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। कहा कि केन्द्र व प्रदेश सरकार स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए निरन्तर कल्याणकारी योजनाओं का संचालन कर रही है। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्म मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, एक जनपद एक उत्पाद प्रशिक्षण योजना, वित्त पोषण योजना एवं प्रधानमंत्री

मुद्रा योजना आदि के माध्यम से बैंको से ऋण उपलब्ध कराकर एवं सब्सिडी देकर उद्यम स्थापना एवं स्वरोजगार को बढ़ावा दिया जा रहा है। वही छोटे–छोटे व परम्परागत कार्यों से जुड़े कामगारध्कारीगरों को प्रोत्साहित करने के साथ ही विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना, एक जनपद एक उत्पाद प्रशिक्षण योजना, अनुसूचित जाति जनजाति सब प्लान प्रशिक्षण योजना एवं अन्य पिछड़ा वर्ग प्रशिक्षण योजना के माध्यम से उनके कौशल को निखारा जा रहा है, साथ ही टूलकिट में आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराकर उन्हें बाजार माँग के अनुसार दक्ष बनाया जा रहा है। जिलाध्यक्ष श्री अजीत सिंह बब्बन ने अधिक से अधिक लोगों को योजना का लाभ दिलाये जाने के निर्देश दिये। उपायुक्त उद्योग श्री दुर्गेश कुमार ने बताया कि विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत जनपद को वर्ष 2023–24 में 1050 लक्ष्य के सापेक्ष ट्रेड–दर्जी, बढ़ई, राजमिस्त्री, लोहार, नाई, हलवाई, टोकरी बुनकर, मोची, कुम्हार में इत्यादि में लाभार्थियों के चयनध्प्रशिक्षण का लक्ष्य मिला था। निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष शत–प्रतिशत संख्या में लाभार्थियों का चयन करते हुए शासन द्वारा नामित संस्था से उन्हें प्रशिक्षण दिलाया जा चुका है। शासन से टूलकिट कार्यालय को उपलब्ध करा दी गई है। चरणवार ढंग से टूलकिट का वितरण प्रारम्भ करा दिया गया है एवं समस्त लाभार्थियों के खाते में मानदेय व कोलेटरल फी आऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। इच्छुक लाभार्थी अपने व्यवसाय को बढ़ाने हेतु बैंक के माध्यम से ऋण प्राप्त कर सकता है।

भूमि विवाद में पी.आर.डी जवान को मारी गई थी गोली'

सुल्तानपुर। कुड़वार थाना पर अपनी ड्यूटी पूरी कर रविवार रात घर जा रहे पीआरडी जवान को गोली मारकर घायल किए गए जानलेवा हमले के केस में मां की तहरीर पर पुलिस ने दो नामजद और दो अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। हमलावरों को पकड़ने के लिए पुलिस की चार टीमें बनाई गईं हैं। सतर्कता के तौर पर पीड़ित के गांव में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। कुड़वार थाना क्षेत्र स्थित पंडित का पुरवा मजरे सरकौडा गांव में भूमि विवाद में खार खाए विपक्षियों ने रविवार को देर रात पीआरडी जवान रणजीत तिवारी पुत्र स्व. जय प्रकाश तिवारी को गोली का शिकार बना लिया। यह घटना उस समय हुई जब वह कुड़वार थाना पर ड्यूटी के बाद बाइक से घर जा रहा है। कुड़वार अलीगंज मार्ग पर सरकौडा चौराहे के थोड़ा पहले पीछे से दो बाइक पर सवार चार हमलावरों ने रणजीत के पेट में सटाकर गोली मारी दी। वह तुरन्त लड़खड़ाकर बाइक रोकी। इतने में हमलावरों ने दूसरी व तीसरी फायर कर दी। शोर सुनकर आसपास के लोगों से घिरता देख हमलावरों ने हवाई फायरिंग भी की। इतने में पीआरडी जवान गोली लगने की अवस्था में अपने साहस का परिचय देते हुए दो हमलावरों को पहचान करते हुए भिड़ गया, अवैध असलहे को छीन लिया। घटना के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए।सूचना पर पहुंची पुलिस व परिजन घायल को जिला अस्पताल में लेकर पहुंचे जहां हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने केजीएमयू ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया है। जहां उसका इलाज चल रहा है। घायल पीआरडी जवान खतरे से बाहर बताया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही एसपी सोमेन बर्मा सहित अन्य पुलिस अधिकारी व कई थानों की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। एसपी ने हमलावरों की गिरफ्तारी के लिए चार टीमें गठित कर दी है। देर रात घायल युवक की मां तारावती के तहरीर पर पुलिस ने गांव के ही परिक्रमा प्रजापति व जितेंद्र प्रजापति पुत्रगण नंदलाल और दो अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर अभियुक्तों के धर पकड़ के लिए अभियान तेज कर दिया है। सोमवार को प्रभारी निरीक्षक गौरीशंकर पाल और निरीक्षक यदुवीर सिंह हमलावरों के घर पहुंच कर जांच पड़ताल की। प्रभारी ने बताया कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

रैपिडो ने अपनी बाईक टैक्सी सर्विस के लॉन्च के साथ अयोध्या के बाजार में किया प्रवेश

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। भारत का प्रमुख कम्यूट ऐप रैपिडो जो बाईक टैक्सी सेगमेन्ट में 65 फीसदी मार्केट शेयर बनाता है, ने अयोध्या, उत्तर प्रदेश में अपनी बाईक टैक्सी सर्विस के आधिकारिक लॉन्च की घोषणा की है। अयोध्या नगर निगम के माननीय महापौर गिरीश पति त्रिपाठी की मौजूदगी में यह लॉन्च किया गया। कंपनी का यह कदम अयोध्या शहर में लास्ट माईल कनेक्टिविटी को अधिक किफायती बनाएगा और स्थानीय लोगों के लिए नौकरियों के अवसर भी उत्पन्न करेगा। इससे परिवहन के पारम्परिक साधनों जैसे ई–रिक्शॉ और शेयर्ड ऑटो पर लोगों की निर्भरता कम होगी। उन्हें न तो राईड शेयर करनी पड़ेगी और न ही रोजगार के लिए शहर के बाहर जाने की जरूरत होगी।इस अवसर पर पवन गुंटुपल्ली, सह–संस्थापक, रैपिडो ने कहा, ''हाल ही में माननीय प्रधानमंत्री जी के द्वारा प्राण प्रतिष्ठा समारोह के आयोजन के बाद अयोध्या शहर में परिवहन के साधनों की जरूरत बढ़ रही है, आने वाले सालों में बड़ी संख्या में पर्यटक शहर में आएंगे। ऐसे में बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए शहर की परिवहन प्रणाली में सुधार लाना जरूरी है। रैपिडो बाईक टैक्सी अयोध्या के लोगों के लिए अपनी तरह का पहला परिवहन समाधान है, जिसके द्वारा पर्यटक और तीर्थयात्री किफायती परिवहन समाधानों का लाभ उठा सकेंगे। रैपिडो शहरों में रोजगार के अवसर उत्पन्न करने के लिए प्रयासरत है, ताकि लोगों को रोजगार की तलाश में अपने शहर से बाहर न जाना पड़े। आने वाले समय में हम अयोध्या शहर में अपनी सेवाओं का विस्तार करेंगे और शहर में आजीविका के अधिक से अधिक अवसर उत्पन्न करेंगे।'लॉन्च समारोह के दौरान मौजूद अयोध्या नगर निगम के महापौर गिरीशपति त्रिपाठी ने कहा, ''यह शहर में लास्ट माईल कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने तथा परिवहन सुविधाओं को किफायती बनाने की दिशा में उल्लेखनीय कदम है। इस पहल से परिवहन के पारम्परिक साधनों पर निर्भरता कम होगी, साथ ही रोजगार के अवसरों के सृजन से शहर के आर्थिक विकास को गति मिलेगी। मेरा मानना है कि यह कदम हमारे निवासियों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव उत्पन्न कर अयोध्या के समग्र विकास को बढ़ावा देगा।लॉन्च के बाद अयोध्या प्रशासन की निगरानी में अवंतिका होटल, सिविल लाईन से एक रैली आयोजित की गई। बाईक टैक्सी सर्विस के लॉन्च से न सिर्फ स्थानीय लोगों को कमाई के अवसर मिलेंगे, बल्कि शहर के निवासी एवं पर्यटक उत्कृष्ट परिवहन सेवाओं का लाभ भी उठा सकेंगे। यह सर्विस पहले से उत्तर प्रदेश के 12 शहरों में उपलब्ध है तथा 1 मिलियन सक्रिय यूजर्स को अपनी सेवाएं प्रदान करते हुए 1 लाख से अधिक लोगों को रोजगार के अवसर प्रदान कर रही है। अयोध्या में रैपिडो का विस्तार देश भर में लास्ट–माईल कनेक्टिविटी में सुधार लाने की रैपिडो की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।बाईक टैक्सी सर्विस के साथ रैपिडो भारत के शहरी परिवहन में निरंतर बदलाव लाने और सभी के लिए परिवहन को किफायती, सुविधाजनक एवं खुशनुमा बनाने के लिए प्रयासरत है।

भ्रष्टाचार को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा के साथ अन्नदाताओं ने किया पदर्शन

सुल्तानपुर– संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर के साथ डीएम कार्यालय के सामने किया अन्नदाताओं ने प्रदर्शन। पुलिस अधीक्षक सोमेन वर्मा को जनता दर्शन के बाहर रोककर बताई समस्याएं।आक्रोशित किसान बोले,ग्राम पंचायत सेक्रेटरी पैसे के बल पर कर रहे भ्रष्टाचार,अफसरों को खिला रहे पैसा। नौ लाख के भ्रष्टाचार की जिला पंचायत राज अधिकारी अभिषेक शुक्ला जांच करके करें आवश्यक कार्रवाई।ग्राम पंचायत सेक्रेटरी के भ्रष्टाचार की उच्च स्तर पर डीएम से कराए जाने की उठाई मांग।एसडीएम सदर सीपी पाठक को सौंपा ज्ञापन।

लाभ लेने के लिए पूर्व सहायक कोषाधिकारी की पत्नी बनी मनरेगा मजदूर

सुलतानपुर। पूर्व सहायक कोषाधिकारी की पत्नी बनी मनरेगा मजदूर,बनी चर्चा। पूर्व सहायक कोषाधिकारी आत्माराम मिश्रा की पत्नी बनी मनरेगा मजदूर। मुख्यमंत्री फलोद्यान योजना का लाभ लेने के लिए पूर्व सहायक कोषाधिकारी आत्माराम मिश्रा ने अपनी पत्नी दयावती के नाम बनवाया मनरेगा जॉब कार्ड। कुड़वार ब्लाक के भंडारा परसरामपुर का मामला। बिना पौधारोपण किए ले लिया मुख्यमंत्री फलोउद्यान योजना का लाभ। उद्यान विभाग के अधिकारी और कर्मचारियों से मिली भगत करके सरकारी धन को लगाया लाखों का चूना।उद्यान महकमा सवालों के घेरे में। कुंडवार ब्लॉक के जनहित पौधशाला ने किया कागजों में पौध सप्लाई।

निजी कंपनी के कर्मचारी से लूट, तीन थानों की पुलिस ने दौड़ाया

लखनऊ (संवाददाता)। नाका इलाके में 19 जनवरी की रात एक निजी कंपनी के कर्मचारी पर बदमाशों ने पीछे से हमला कर स्कूटी व मोबाइल लूट लिया।

सहकारी समितियां किसानों से कराएंगी व्यावसायिक खेती–कारोबार, बढ़ेगी कमाई, लखनऊ से शुरू होगा प्रोजेक्ट

लखनऊ (संवाददाता)। प्रदेश की बहुउद्देशीय कृषि सहकारी समितियां (बीपैक्स) किसानों से अब व्यावसायिक व औद्यानिक कृषि तथा कारोबार का काम भी कराएंगी। इससे समितियों से जुड़कर काम करने वाले कृषक उत्पादक समूहों (एफपीओ) के किसानों व स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं की आय में वृद्धि की राह खुलेगी। लखनऊ में मॉडल के तौर पर यह पहल हो रही है, आगे पूरे प्रदेश में इसके विस्तार की योजना है। शासन के निर्देश पर सहकारिता विभाग ने बीपैक्स को मनरेगा से होने वाले कार्यों से जुड़कर किसानों की आय में वृद्धि के लिए अतिरिक्त प्रयास की जिम्मेदारी दी है। बीपैक्स ने इसके लिए स्थानीय एफपीओ से एमओयू करना शुरू कर दिया है। समितियां समूह से जुड़े किसानों को मनरेगा के अंतर्गत व्यावसायिक व औद्यानिक कृषि के लिए आवश्यक सामग्री व तकनीकी सहयोग देंगी। इनके उत्पाद को अपने व्यावसायिक प्लेटफॉर्म पर डिस्प्ले व बिक्री का अवसर देंगी तथा खरीद की व्यवस्था भी कराएंगी। कृषि विभाग में एफपीओ सेल के राज्य सलाहकार पीएस ओझा ने बताया कि प्रमुख सचिव सहकारिता बीएल मीणा ने प्रदेश के सभी सीडीओ, जिलाधिकारियों व मंडलायुक्तों को इस तरह की पहल के लिए निर्देश जारी किए हैं। मॉडल के तौर पर लखनऊ जिले के तीन ब्लॉकों माल, चिनहट और सरोजनीनगर में यह पहल शुरू हो रही है। लखनऊ में प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन के लिए मुख्य विकास अधिकारी अजय जैन के निर्देशन में कार्ययोजना तैयार की जा रही है। तीनों ब्लॉकों में बीपैक्स से चार एफपीओ का एमओयू हुआ है। इन एफपीओ के किसानों से 800 एकड़ में (200–200 एकड़ के क्लस्टर में) लेमनग्रास, खस, बांस और सहजन की व्यावसायिक खेती कराई जाएगी। खस की खेती गोमती व सई नदी के किनारे होगी। बांस की खेती नदियों में खुले नालों के मिलने वाले स्थान के आसपास कराई जाएगी। लेमनग्रास व सहजन सहफसली के रूप में ली जाएगी, यह अतिरिक्त आय का साधन होंगी। लखनऊ के चार एफपीओ निराला हर्बल बायो इनर्जी फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी गौरी सरोजनी नगर, भटगांव कृषक उत्पादक सहकारी समिति भटगांव सरोजनीनगर, जेवीकेएस बायो इनर्जी फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी माल और अमृत आग्रेनिक प्रोड्यूसर कंपनी चिनहट को मौका मिला है।

राममंदिर के प्रवेश और निकास द्वारों पर लगेंगे एआई बेस्ड कैमरे

लखनऊ (संवाददाता)। राममंदिर के सभी प्रवेश व निकास द्वारों पर सुरक्षा की दृष्टि से एआई बेस्ड कैमरे स्थापित किए जाएंगे। इसकी जिम्मेदारी एलएंडटी को सौंपी गई है। श्रद्धालुओं की भीड़ होने पर भी सुचारु और सुगम दर्शन के लिए तीर्थयात्री सुविधा केंद्र (पीएफसी) परिसर में होल्डिंग एरिया विकसित किया जाएगा। दर्शन मार्ग पर आर्किटेक्ट के माध्यम से आकर्षक डिजाइन की बैरिकेडिंग स्थापित की जाएंगी। ये निर्णय रविवार को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र समन्वय समिति की बैठक में लिए गए। एलएंडटी सभाकक्ष में कमिश्नर गौरव दयाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रशासन और ट्रस्ट के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। तय हुआ कि श्रीराम जन्मभूमि परिसर में दर्शनार्थियों की सुविधा के लिए दर्शन व निकास मार्गों पर पर्याप्त संख्या में जगह–जगह संकेतक लगाए जाएं। परिसर के अंदर स्थित शौचालयों में संकेतक लगाने के निर्देश एलएंडटी के अधिकारियों को दिए। उद्योगपति लक्ष्मी मित्तल ने की सीएम योगी की सराहना...मशहूर उद्योगपति लक्ष्मी मित्तल ने प्राण प्रतिष्ठा समारोह के सकुशल आयोजन के लिए मुख्यमंत्री योगी और उनकी टीम की सराहना की है। कहा उन्होंने पत्नी ऊषा मित्तल के साथ प्रभु श्रीराम के अलौकिक दर्शन का सौभाग्य प्राप्त किया।

यूपी को चौथी बार कार्यवाहक डीजीपी मिलने के आसार

कल रिटायर होंगे डीजीपी विजय कुमार, प्रशांत कुमार सहित चार अफसर रेस में

संवाददता

लखनऊ। यूपी के डीजीपी विजय कुमार के 31 जनवरी को सेवानिवृत्त होने के बाद प्रदेश पुलिस में अहम फेरबदल होंगे। प्रदेश को लगातार चौथा कार्यवाहक डीजीपी मिलने के आसार हैं। इसके मुख्य दावेदारों में डीजी सीबीसीआईडी आनंद कुमार, डीजी कारागार एसएन सावंत, डीजी भर्ती बोर्ड रेणुका मिश्रा और डीजी कानून–व्यवस्था प्रशांत कुमार शामिल हैं। इससे पहले डीएस चौहान, आरके विश्वकर्मा और विजय कुमार को लगातार कार्यवाहक डीजीपी बनाया जा चुका है। 21 माह से प्रदेश पुलिस को कार्यवाहक डीजीपी से काम चलाना पड़ रहा है। 31 जनवरी को डीजीपी विजय कुमार और डीजी मानवाधिकार एसके माथुर रिटायर होंगे। विजय कुमार विजिलेंस के भी डीजी हैं, लिहाजा उनके सेवानिवृत्त होने के बाद विजिलेंस को नया मुखिया मिलेगा। एडीजी कानून–व्यवस्था के पद पर भी नये अफसर की तैनाती होनी है। चुनाव आयोग के निर्देश के मुताबिक तीन वर्ष से एक ही स्थान पर तैनात अधिकारियों को हटाया जाना है, जिसकी वजह से शीर्ष पदों पर तैनात कई आईपीएस अधिकारियों का तबादला तय है। सूत्रों के मुताबिक राज्य सरकार ने संघ लोक सेवा आयोग को पूर्णकालिक डीजीपी के चयन का प्रस्ताव नहीं भेजा है, जिसकी वजह से एक बार फिर कार्यवाहक डीजीपी बनाए जाने के आसार हैं। सरकार अपने पसंदीदा अफसर को कार्यवाहक डीजीपी बना सकती है, जिसके नेतृत्व में लोकसभा चुनाव संपन्न होगा। इस समीकरण में वरिष्ठता सूची में 19वें स्थान पर आने वाले डीजी कानून–व्यवस्था प्रशांत कुमार का पलड़ा भारी माना जा रहा है। मुकुल गोयल के बाद आनंद कुमार सबसे वरिष्ठ होने की वजह से दावेदार माने जा रहे हैं।राज्य सरकार ने तीनों कार्यवाहक डीजीपी बनाने में वरिष्ठता को प्राथमिकता दी थी। आनंद कुमार के बाद वरिष्ठता सूची में शफी अहसान रिजवी,आदित्य मिश्रा, पीवी रामाशास्त्री, दलजीत सिंह चौधरी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर तैनात हैं, जिनके वापसी के आसार नहीं दिख रहे। डीजी आशीष गुप्ता नियम एवं ग्रंथ, संदीप सालुंके मानवाधिकार और विजय कुमार मौर्या होमगार्ड में तैनात हैं। वरिष्ठता सूची में दसवें स्थान पर आने वाली डीजी रेणुका मिश्रा को सरकार ने भर्ती बोर्ड की अहम जिम्मेदारी दे रखी है, जो उनकी दावेदारी को मजबूत बना रही है। उनकी सेवानिवृत्ति में अभी लंबा वक्त है। वरिष्ठता सूची में 12वें स्थान पर डीजी जेल एसएन सावंत हैं, जो भाजपा सरकार में प्रयागराज कुंभ का सकुशल आयोजन करा चुके हैं।डीजीपी विजय कुमार और डीजी एसके माथुर के साथ 31 जनवरी को दो डीआईजी भी सेवानिवृत्त होंगे। इनमें डीआईजी इंटेलिजेंस लल्लन सिंह और डीआईजी पीटीसी राजकमल यादव शामिल हैं। एक फरवरी को एडीजी प्रशिक्षण तिलोत्तमा वर्मा और एडीजी विजिलेंस राजीव कृष्णा डीजी के पद पर प्रोन्नत हो जाएंगे।

भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान द्वारा पादप स्वास्थ्य पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोज एक फरवरी से

संवाददता

लखनऊ। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान (आईआईएसआर), लखनऊ 1–3 फरवरी, 2024 के दौरान खाद्य सुरक्षा के लिए पौधों का स्वास्थ्य खतरे और वादे बिषय पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। यह कार्यक्रम भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान द्वारा इंडियन फाइटोपैथोलॉजिकल सोसाइटी, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है और इसका उद्देश्य पादप रोगविज्ञान में वर्तमान प्रगति पर चर्चा करने के लिए देश भर के शोधकर्ताओं, चिकित्सकों, छात्रों, गैर सरकारी संगठनों और कृषकों सहित 500 से अधिक प्रतिनिधियों को एक साथ एक मंच पर लाना है। सम्मेलन में मुख्य

एवं सत्र भाषण, मौखिक प्रस्तुतियाँ और पादप विकृति विज्ञान के महत्वपूर्ण मुद्दों पर पोस्टर सत्र शामिल होंगे, जिनमें उभरते हुए पादप रोग, मेजबान पादप प्रतिरोध, नवीन रोग प्रबंधन रणनीतियाँ, नवीन निदान उपकरण, जलवायु परिवर्तन प्रभाव और टिकाऊ कृषि शामिल हैं। यह आयोजन पादप संरक्षण, चुनौतियों और अवसरों पर विचारों के आदान–प्रदान और शोध निष्कर्षों के प्रसार के लिए एक मंच प्रदान करेगा। सम्मेलन पौधों की सुरक्षा में हाल की प्रगति और अवसरों को प्रस्तुत करने, चर्चा करने और प्रसारित करने, अकादमिक और व्यावसायिक विकास को बढ़ावा देने, विशेष रूप से स्थायी फसल उत्पादन एवं खाद्य सुरक्षा पर नई उभरती बीमारियों के खतरे के कारण मौजूदा चुनौतियों का समाधान करने के लिए अभिनव अनुसंधान समाधानों को उजागर करने का एक शानदार अवसर प्रदान करेगा। इसके अतिरिक्त यह सम्मेलन प्रतिभागियों, उद्योग भागीदारों और हितधारकों के लिए नेटवर्किंग, सहयोग और जुड़ाव के अवसर भी प्रदान करेगा।

उप मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन कार्यक्रम में सुनी आमजन की बात

जन समस्याओं का त्वरित गति से किया जाए निदान : केशव

संवाददता

लखनऊ। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अपने–7 कालीदास मार्ग स्थित कैम्प कार्यालय पर विभिन्न जनपदों से आये लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं के त्वरित निस्तारण का आश्वासन दिया। उन्होने जनसुनवाई के दौरान एक–एक व्यक्ति की समस्या को गम्भीरता से सुना तथा समस्याओं के निराकरण हेतु अधिकारियों को निर्देश दिए ।उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए हैं कि समस्याओं का निराकरण इस प्रकार किया जाय कि समस्याग्रस्त व्यक्ति पूरी तरह से संतुष्ट रहें और उन्हें दुबारा कहीं भटकना न पड़े और बार–बार चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने महिलाओं, दिव्यांगों, बुजुर्गों की समस्याओं व शिकायतों को सुना और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर संबंधित अधिकारियों को त्वरित गति से निदान करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जनता दर्शन में भूमि विवाद,दुर्घटनाओं से संबंधित ,अवैध कब्जे, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास आवंटन, स्कूल निर्माण, भूमि पट्टा, कब्जा दिलाने, अतिक्रमण हटाने,सड़क बनवाने, विजली, अभियुक्तों की गिरफ्तारी कराने, आदि से संबंधित विभिन्न समस्याएं प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए लोगों ने रखी। उप मुख्यमंत्री फरियादियों के पास खुद चलकर गये और एक एक व्यक्ति की समस्या को उनसे सीधे रू–ब–रू होकर सुना। जनता दर्शन मे लगभग 2 दर्जन से जिलों से आये कई सैकड़ा लोगों ने आकर अपनी समस्याएं रखी। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने समस्याओं के निस्तारण के बावत कई जिलों के वरिष्ठ अधिकारियों व शासन के उच्चाधिकारियों से दूरभाष पर वार्ता भी की।

एलडीए ने अवैध निर्माणाधीन आवासीय भवनों को किया जमींदोज

संवाददता

लखनऊ। बख्शी का तालाब क्षेत्र में लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा अवैध निर्माणाधीन हाउस और कालोनी पर हुई बड़ी कार्रवाई। सोमवार दोपहर शुरू हुई इस कार्रवाई मे कई निर्मित और निर्माणाधीन आवासीय भवनों को जमींदोज किया गया। लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा इसके पहले भी इस कालोनी पर कार्रवाई कर चुकी थी। बावजूद इसके निर्माण कार्य जारी था। बख्शी का तालाब थाना क्षेत्र में लखनऊ विकास प्राधिकरण जोन 5 के प्रवर्तन दल के द्वारा बडी कारवाई की गई है। सोमवार दोपहर को बख्शी का तालाब तहसील क्षेत्र अंतर्गत लखनऊ विकास प्राधिकरण से ले–आउट स्वीकृत कराये बिना विकसित की जा रही थी।

लखनऊ में साड़ी पहनकर दौड़ेंगी महिलाएं,

मोहनलालगंज संसदीय क्षेत्र के पांचों विधानसभा में होगी मैराथन

संवाददता

लखनऊ। केंद्रीय राज्य मंत्री एवं मोहनलालगंज से सांसद कौशल किशोर ने आज राजधानी लखनऊ के वीवीआईपी गेस्ट हाउस में सांसद खेल प्रतिस्पर्धा 2024 को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की और बताया कि लखनऊ की सड़कों पर पहली बार क्वार्टर मैराथन में महिलाएं साड़ी पहन कर दौड़ेंगी। राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज लोकसभा सीट पर युवाओं और महिलाओं के खेल में भागीदारी को बढ़ाने के लिए संसद खेल प्रतियोगिता 2024 की शुरुआत की जाएगी। केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर ने बताया कि मोहनलालगंज में 10 फरवरी से 17 फरवरी तक सभी पांचो विधानसभाओं में मैराथन का आयोजन किया जाएगा। देश में पहली बार महिलाएं साड़ी पहन कर सड़कों पर दौड़ेंगे और पहली बार ऐसा होगा कि ग्रहणी बीच में शामिल होंगे हर विधानसभा में अलग–अलग पुरस्कार भी रखे गए हैं जिनको क्षेत्र की जनता देगी। वहीं केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर ने बताया कि क्वार्टर मैराथन में साड़ी पहन के दौड़ने वाली महिलाओं में प्रथम पुरस्कार विजेता को 31000 द्वितीय पुरस्कार विजेता को 21000 और तृतीय पुरस्कार विजेता को 11000 रुपए का पुरस्कार दिया जाएगा। हर विधानसभा की महिलाएं इस मैराथन में भाग लेंगी जो उसे विधानसभा से आती होगी।

राजकीय आईटीआई में रोजगार मेला 31 को

संवाददता

लखनऊ। आईटीआई के प्रिंसिपल राज कुमार यादव ने बताया कि 31 जनवरी को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान अलीगंज लखनऊ में शिशिक्षु,रोजगार मेले का आयोजन किया जाना है जिसमें 24 कम्पनियों द्वारा प्रतिभाग किया जायेगा। काउंसिलिंग एण्ड प्लेसमेन्ट आफिसर ट्रेनिंग एमए खाँ ने बताया कि शिशिक्षु रोजगार मेले में 24 कम्पनियाँ प्रतिभाग करेंगे। 3785 रिक्तियाँ है।

आरपीआई और बीएसपी का एक होना जरूरी, यूपी में 20: दलित वोट बैंक : अठावले

संवाददता

लखनऊ। बसपा प्रमुख मायावती को आरपीआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामदास अठावले ने पार्टी में शामिल होने का ऑफर दिया है। उन्होंने कहा, मायावती अगर आरपीआई में शामिल हो जाएं तो उनको पार्टी का अध्यक्ष बना देंगे। जिससे कि हम बाबा साहब की विचारधाराओं को लोगों तक पहुंचा सके। इसलिए आरपीआई और बसपा का एक साथ होना बहुत जरूरी है। वहीं, नीतीश कुमार के एनडीए में शामिल होने पर कहा, उनको तो जाने–आने की आदत है। अठावले 1 दिन के दौरे पर लखनऊ पहुंचे हैं। सोमवार को उन्होंने टटप्च गेस्ट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने कहा 4 मार्च को आरपीआई यानी रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया रमाबाई अंबडेकर मैदान में विशाल जनसभा करेगी। मोदी सरकार में मंत्री अठावले ने कहा, बसपा की जगह अब आरपीआई ले रही है। बाबा साहेब अंबेडकर के सिद्धांतों को आगे बढ़ाने के लिए आरपीआई और बसपा का एक साथ होना बहुत जरूरी है। इससे उनके सिद्धांतों को जन–जन तक पहुंचाया जा सकता है। हमारी पार्टी केवल दलितों को ही नहीं सभी को साथ लाने की कोशिश कर रही है। इसमें हम सफल भी हो रहे हैं। सिर्फ मायावती नहीं, बल्कि बसपा के तमाम नेताओं से भी कहूंगा कि वह भी हमारी पार्टी में आएं। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि बहुत सारे मुस्लिम नेता जो बीजेपी में नहीं जाना चाहे वो आरपीआई में आ सकते हैं। इससे आरपीआई मजबूत होगी और बीजेपी को फायदा मिलेगा। देशभर में दलित पॉपुलेशन बहुत है। कांग्रेस और विपक्ष के लोग कहते हैं कि मोदी सरकार संविधान बदलेगी। लेकिन ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा, इंडिया गठबंधन मोदी जी को हराने आया है। मगर अब वह टूट रहा है। नीतीश कुमार एनडीए में आ गए। इससे इंडिया को बड़ा झटका पहुंचा है। ममता दीदी, पंजाब में भगवंत मान भी अकेले लड़ रहे हैं। ममता दीदी को हमारा निमंत्रण है। वो भी नीतीश की तरह हमारे साथ आएं। यूपी में लोकसभा की 17 सीटें आरक्षित हैं। हालांकि, करीब 20: दलित वोट बैंक है। चुनावी विश्लेषक बताते हैं कि अठावले के जरिए भाजपा दलित वोट बैंक को अपने पाले में लाने की कोशिश कर रही है। अठावले खुद महाराष्ट्र के दलित नेता है। इसलिए, लोकसभा चुनाव से पहले वह यूपी दौरे में पहुंचे हैं। 2022 के विधानसभा चुनाव में बसपा को 11: वोट शेयर मिला था। जबकि 2017 के चुनाव में यह वोट प्रतिशत 22: था। 2019 के लोकसभा चुनाव में आरपीआई ने यूपी की 16 सीटों पर प्रत्याशी उतारे थे। यह सीटें थीं, गाजियाबाद, मेरठ, बिजनौर, बरेली, कानपुर नगर, अकबरपुर, फैजाबाद, कैसरगंज, डुमरियागंज, संतकबीरनगर, कुशीनगर, जौनपुर, मछलीशहर, मिर्जापुर और रॉबर्ट्सगंज। पिछले लोकसभा में भी अठावले ने यूपी में एनडीए गठबंधन की 2–3 सीटों की मांग की थी। उन्होंने तब सीएम योगी से भी मुलाकात की थी। हालांकि, पार्टी ने उनको यूपी में सीटें नहीं दी थीं।

रामभक्त मुस्लिम बिटिया का रानी बाजार में हुआ जोरदार स्वागत

संवाददता

अयोध्या, । अयोध्या धाम में रामलला का दर्शन करने पैदल मुंबई से निकली मुस्लिम युवती शबनम शेख का रानी बाजार में स्वागत किया गया। लोगों ने रामनामी गमछा भेंटकर मुस्लिम बिटिया का स्वागत किया। शबनम शेख ने बताया पैदल यात्रा करते हुई आज 40 दिन हो गया है। अब तक 1400 किलोमीटर की यात्रा कर चुकी हूँ। अब शेष 20 किलोमीटर की यात्रा बाकी है।सहयोगी विनीत पांडेय व रमन राज शर्मा मुंबई और शुभम गुप्ता भोपाल से चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि रामायण, रामलीला, भगवान श्री राम पर आधारित धारावाहिक को देखने व सुनने का बचपन से शौक है।

प्रोजेक्ट वेलफेयर ने जरूरत मंदों की मदद की

संवाददता

लखनऊ। प्रोजेक्ट वेलफेयर संगठन के संस्थापक आरव रस्तोगी और तनुष रस्तोगी ने शुभ सिंह, आकर्ष साहू, निखिल गोयल, आरिका सिंह व आदित्य पांडे के साथ खरगापुर क्रॉसिंग रोड, गौरी चौराहा के पास आयोजित एक धर्मार्थ कार्यक्रम में अपने सहपाठियों और उसी उम्र के साथी विद्यार्थियों का सहयोग किया। जहां पर उन्होंने 450 जरूरत मंदों में भोजन के डिब्बों का वितरण किया। इस दौरान उन्होंने उस क्षेत्र में मौजूद बच्चों के साथ बातचीत की और उन्हें शिक्षित किया। साथ ही उन्हें बुनियादी जोड़–घटाव से के अतिरिक्त राष्ट्रपिता के बारे में विस्तार से अवगत करवाया। यहां बता दें कि प्रोजेक्ट वेलफेयर, एक समर्पित संगठन है जो सीखने की परिवर्तनकारी शक्ति के माध्यम से बच्चों को सशक्त बनाने का प्रयास कर रहा है। हर बच्चे के भीतर छिपी अपार संभावनाओं को पहचानते हुए, पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना, संगठन का लक्ष्य जरूरतमंद लोगों को मुफ्त और सुलभ शिक्षा प्रदान करने पर केंद्रित है। सिर्फ शिक्षा ही नहीं बल्कि जरूरतमंद और असहाय लोगों को खाना बांटने में भी ये बड़ी भूमिका निभाते हैं। यह एक गतिशील गैर–लाभकारी संगठन है जो भूख के खिलाफ निरंतर युद्ध लड़ रहा है, इसके समर्पित स्वयंसेवक करुणा और बदलाव लाने के लिये प्रतिबद्ध हैं। निकट भविष्य में, यह गैर–लाभकारी संगठन केवल कठिनाई के वर्तमान दर्द को शांत करने की कोशिश नहीं कर रहा हैय यह जीवन भर रहने के लिए डिजाइन की गई खुशियों का ताना–बाना बुन रहा है। उनकी दृष्टि केवल खुशी की एक क्षणभंगुर लहर नहीं है, बल्कि एक गहरा परिवर्तन है जो व्यक्तियों और समुदायों को स्थायी कल्याण विकसित करने के लिए सशक्त बनाता है। लेकिन खुशी, एक बहुरूपदर्शक की तरह, अलग–अलग लोगों के लिए अलग–अलग पहलुओं में चमकती है। इसलिए, परियोजना कल्याण के भविष्य के लक्ष्य उतने ही विविध हैं जितनी कि वे मुस्कुराहट बिखेरते हैं।

आफाक ने मुस्लिम लीग को दिया त्याग पत्र

संवाददता

लखनऊ। इण्डियन यूनियन मुस्लिम लीग के जाने माने नेता मुहम्मद आफाक ने लीग के प्रदेश अध्यक्ष को अपना इस्तेफा सौंप दिया। मुहम्मद आफाक ने बताया कि मैं बहुत दिनों से इस पार्टी में रहकर घुटन महसूस कर रहा था क्योकि इण्डियन यूनियन मुस्लिम लीग उत्तर प्रदेश में वन मैन पार्टी बनकर रह गई है। इसके अन्दर व जनतन्त्र को आभाव है किसी की सुनी नहीं जाती लेकिन धन्तन्त्र का वर्चस्व है जिसके कारण लीग के गरीब पदाधिकारी तथा आम लोगों का लगाव कम होता जा रहा है। वास्तिविकता यह है कि उत्तर प्रदेश में इण्डियन यूनियन मुस्लिम लीग गलत नीतियों के कारण समाप्त हो गई है।

31 जनवरी को लगेगा रोजगार मेला,24 कंपनियां साढ़े 3 हजार पदों पर करेंगी भर्ती

संवाददता

लखनऊ। 31 जनवरी को राजधानी लखनऊ के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, अलीगंज, लखनऊ में रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। इस मेले में 24 कंपनियां रिक्रूटमेंट के लिए शिरकत करेंगी। ट्रेनिंग काउंसिलिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर एमए खान ने बताया कि इंटर्नशिप और जॉब फेयर यानी रोजगार मेले के माध्यम से 3 हजार 785 पदों पर युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगे। 18 साल से ज्यादा उम्र के हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट, आईटीआई, डिप्लोमा, स्नातक पास अभ्यर्थी इस रोजगार मेले में भाग ले सकते हैं। सेलेक्टेड अभ्यर्थियों को 10 हजार से 27 हजार प्रति माह वेतन समेत अन्य सुविधाएं दी जाएंगी। जॉब फेयर में शामिल होने के लिए अभ्यर्थियों को बायोडाटा के साथ सभी शैक्षिक प्रमाण पत्र लेकर सुबह 9 बजे तक राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, अलीगंज, लखनऊ परिसर पहुंचना होगा। जहां रजिस्ट्रेशन के बाद मेले में शिरकत कर सकते हैं।

मौसम के कारण दो उड़ानें रद की गईं, एक डायवर्ट

संवाददता

लखनऊ। खराब मौसम का असर विमान सेवाओं पर पड़ रहा है। विमान सेवाएं लगातार प्रभावित हो रही हैं। मौसम के कारण दो उड़ानें रद की गईं, जबकि एक को डायवर्ट करना पड़ा। लखनऊ से दिल्ली जाने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान संख्या आईएक्स 2773 और लखनऊ से वाराणसी जाने वाली इंडिगो एयरलाइंस की उड़ान संख्या 6ई 7741 को रद कर दिया गया। जबकि मुंबई से लखनऊ आने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान खराब मौसम के चलते काफी देर तक आसमान में चक्कर काटती रही और उसे दिल्ली डायवर्ट कर दिया गया। वहीं, मस्कट से लखनऊ आने वाली ओमान एयर की उड़ान संख्या डब्ल्यूवाई 265, नागपुर से लखनऊ आने वाली इंडिगो एयरलाइंस की उड़ान संख्या 6ई 7467, इंदौर से लखनऊ आने वाली इंडिगो एयरलाइंस की उड़ान संख्या 6ई 7127, अहमदाबाद से लखनऊ आने वाली इंडिगो एयरलाइंस की उड़ान संख्या 6ई 6244 और दिल्ली से लखनऊ आने वाली इंडिगो एयरलाइंस की उड़ान संख्या 6ई 6282 ने विलंब से उड़ान भरी। जबकि लखनऊ से कोलकाता जाने वाली इंडिगो एयरलाइंस की उड़ान संख्या 6ई 505, लखनऊ से मस्कट जाने वाली ओमान एयरलाइंस की उड़ान संख्या डब्ल्यूवाई 266, लखनऊ से इलाहाबाद जाने वाली इंडिगो एयरलाइंस की उड़ान संख्या 6ई 7935, लखनऊ से दिल्ली जाने वाली इंडिगो एयरलाइंस की उड़ान संख्या 6ई 6281, लखनऊ से दुबई जाने वाली इंडिगो एयरलाइंस की उड़ान संख्या 6ई 1483, लखनऊ से मुंबई जाने वाली इंडिगो एयरलाइंस की उड़ान संख्या 6ई 5241 और लखनऊ से दिल्ली जाने वाली इंडिगो एयरलाइंस की उड़ान संख्या 6ई 2243 देर से उड़ान भर सकी। उड़ानें एक से तीन घंटे तक विलंब से रहीं।

29 से कम सीटों पर चुनाव लड़ने को तैयार नहीं यूपी कांग्रेस

संवाददता

लखनऊ। लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुटी उत्तर प्रदेश कांग्रेस 29 सीटों से कम सीटों पर चुनाव लड़ने को तैयार नहीं है। प्रदेश संगठन ने केंद्रीय नेतृत्व को अपनी मंशा से अवगत करा दिया है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के कांग्रेस को प्रदेश में 11 सीटें देने की घोषणा के बाद प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का कहना है कि सीटों को लेकर केंद्रीय नेतृत्व निर्णय लेगा, पर सूत्रों का कहना है कि प्रदेश कांग्रेस 29 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। 2009 के लोकसभा चुनाव व इसके बाद हुए उप चुनाव में जीती कुल 22 सीटों पर चुनाव लड़ने व पश्चिमी उत्तर प्रदेश की सात और सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी की जा रही है।

बिहार के बाद अब यूपी में भी तनाव, सीट शेयरिंग को लेकर नहीं बन रही बात

संवाददता

लखनऊ। नीतीश सरकार...पहले जेडीयू–बीजेपी के साथ...फिर जेडीयू–आरजेडी के साथ...अब एक बार फिर जेडीयू–बीजेपी के साथ...यानी बिहार में सियासी भूचाल, जहां सर्द मौसम में सियासी पारा थर्मरमामीटर में हाई है...वो भी लोकसभा चुनाव से ठीक पहले...कहते है कि जब पड़ोस में उठापटक होती है तो बगल वालें घर में भी उसकी गूंज सुनाई देती है... जी हां, कुछ ऐसा ही देखा जा रहा है बिहार के बाद अब पड़ोसी राज्य यूपी में भी...जहां सीट शेयरिंग को लेकर खींचतान मची हुई है...बता दें कि, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कांग्रेस को ग्यारह सीट देने का एलान तो कर दिया है लेकिन, कांग्रेस इस पर सहमत नहीं दिखाई दे रही है...जाहिर सी बात है कि ऐसी घोषणा कांग्रेस को कतई रास नहीं है।

सूत्रों के अनुसार जानकारी मिली है कि, कांग्रेस 2017 की तरह इस बार भी चाहती है कि संयुक्त रूप से प्रेस कांफ्रेंस करके सपा व कांग्रेस के नेता इसकी घोषणा करें...ये भी कहा जा रहा है कि इंडिया गठबंधन के तहत कांग्रेस की ओर से 25 सीट की मांग गई व नेतृत्व ने भी तय किया है कि 20 सीटों से कम पर किसी भी तरह से समझौता नहीं मंजूर होगा...

गोद भराई के एक दिन पहले दूल्हे ने शादी करने से किया इनकार

संवाददता

लखनऊ, । मलीहाबाद में एक दूल्हे ने शादी में स्कोर्पियो न देने पाने पर गोदभराई से एक दिन पहले दूल्हे ने शादी से इंकार कर दिया। इस संबंध में दुल्हन की मां की ओर से थाने में तहरीर दी गई है। आरोप लगाया गया कि पीड़ित पक्ष की ओर से गेस्टहाउस के भुगतान समेत अन्य कई तैयारियां कर ली गईं थी। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक मलिहाबाद थाना क्षेत्र के एक गांव में विधवा मां ने अपनी बेटी का विवाह ठाकुरगंज थानां क्षेत्र के माधवपुर के रहने वाले सरोज के साथ तय की थी। जिसकी बरीक्षा बीते साल 17 दिसंबर को हो गई थी। गोद भराई 26 जनवरी व तिलक समारोह 22 फरवरी को होना तय था। थाने में दी गई तहरीर में पीड़ित मां ने आरोप लगाया 25 जनवरी को लड़कों वालों के यहां से फोन आया कि शादी में स्कॉर्पियो कार नहीं दोगी, तो हम विवाह नहीं करेंगे। इसके बाद 26 जनवरी को उसकी बेटी की गोद भराई कार्यक्रम नहीं हो सका। पीड़िता ने गोदभराई के लिए गेस्ट हाउस हलवाई आदि को बुक कर उन लोगों को रूपयों का भुगतान भी कर दिया है। महिला ने बताया कि उसने वर पक्ष की मांग पर लाखों रुपये दूल्हे की शॉपिंग के दिए। इसके अलावा हर छोटी–मोटी मांग को पूरा किया। नाते–रिश्तेदारों में बेटी की शादी के कार्ड भी बांट दिए गए थे। इसके अलावा उसने गेस्ट हाउस व हलवाई आदि बुक कर रुपयों का भुगतान भी कर दिया है। 25 जनवरी दूल्हे का फोन आया और कहा कि वो ये शादी नहीं कर सकता। महिला के पूछे जाने पर कहा कि उसे स्कार्पियो चाहिए आप बात आगे बढ़ाते हो तो ठीक है, वरना शादी रद करते हैं। थाना प्रभारी मालिहाबाद सुरेश सिंह ने बताया कि शादी में स्कोर्पियो कार की मांग को लेकर एक दूल्हे ने गोदभराई से एक दिन पहले शादी से इंकार कर दिया है। पीड़िता के आरोप पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही हैं।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।